दैनिक
# नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | मध्यप्रदेश 4 | अभिव्यक्ति 7 | कारोबार/खेल

RNI NO - MPHIN/2020 /81503 जबलपुर, रविवार 22 फरवरी 2026 , कृष्ण पक्ष पंचमी , विक्रम संवत -2082 , वर्ष -5 अंक - 206 पृष्ठ -08 मूल्य-4 रूपए जबलपुर, भोपाल, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

# विकास, नवाचार और किसान समृद्धि का रोल मॉडल बन रहा दतिया : सीएम यादव

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवड़ा में दी दतिया जिलेवासियों को 529 करोड़ रूपए से अधिक के 71 विकास कार्यों की सौगात

**मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंध नदी पर नवनिर्मित सेतु का किया लोकार्पण, किया अवलोकन भी**

**दतिया में एयरपोर्ट, वंदेभारत ट्रेन से दिल्ली अब दतिया से चंद घंटों की दूरी पर**

**मां पीताम्बरा लोक के निर्माण से दतिया को मिलेगी नई धार्मिक एवं आध्यात्मिक पहचान**

**केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का दतिया के किसानों को भी मिलेगा भरपूर लाभ**

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दतिया वीरता और भक्ति का अद्भुत संगम है। यहां आस्था और प्रगति का उत्कृष्ट संगम है। हमारी सरकार दतिया के पर्यटन को बड़ावा देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। विगत वर्ष बुंदेला काल के दतिया महल और गुज्जरा लघु शिलालेख को यूनेस्को की टेंटेटिव सूची में स्थान मिल गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया जिले की विकास यात्रा अब रूकने वाली नहीं है। आज दतिया विकास, नवाचार, महिला सशक्तिकरण और किसान समृद्धि का एक रोल मॉडल बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया में एयरपोर्ट के शुभारंभ के साथ दतिया से भोपाल फ्लाईट भी शुरू हो गई है। खजुराहो से नई दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन के जरिए दिल्ली अब दतिया से चंद घंटों की दूरी पर आ गया है। उन्होंने कहा कि दतिया में मां पीताम्बरा लोक का निर्माण तेजी से प्रगति पर है। इससे जिले के पर्यटन को नए पंख लगेंगे और दतिया को एक नई धार्मिक एवं आध्यात्मिक पहचान भी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शनिवार को दतिया जिले के सेवड़ा तहसील मुख्यालय में 529 करोड़ लागत के 71 विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि करीब सवा 2 हजार करोड़ रूपए की लागत वाली रतनगढ़ सिंचाई परियोजना से इस क्षेत्र के 40 हजार से अधिक किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया जिले के नशामुक्ति कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पुनीत कार्य के लिए जिलेवासियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कभी पेयजल संकट से जूझने वाला दतिया में आज हर घर में नल से जल पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना पर काम चल रहा है। इसका भरपूर लाभ दतिया जिले के किसानों को भी मिलेगा। अब किसानों को सिंचाई के लिए पानी की चिंता करने की जरूरत नहीं है। दतिया जिले में 1.48 लाख हैक्टेयर से अधिक भू-रकबे में सिंचाई सुविधा का विस्तार होने से यहां कृषि उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। विगत दो सालों में यहां 7 लघु सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ जिले के 1.37 लाख से अधिक किसानों को मिल रहा है। फसल बीमा योजना यहां के 1.26 लाख से अधिक किसानों का सुरक्षा कवच बनी है।

**पशुपालन और दुग्ध उत्पादन बढ़ाना हमारा लक्ष्य**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार किसानों की समृद्धि और सम्मान के लिए दृढ़- ■ शेष पृष्ठ 6 पर

## आज बेबाक

एआई समिट के अंतिम दिन भारत मंडपम में युवक कांग्रेस के मुट्ठी भर भटके हुए युवा जोश में होश खो बैठे। उनकी नंगाई देखकर गुस्साई भीड़ ने उनकी बैंड बजा दी। प्रदर्शनकारियों ने सोचा था कि नंगे से तो खुदा भी डरता है फिर ये भीड़ किस खेत की मूली है? उनका यह मुगालता वहां जुटे लोगों ने दूर कर दिया और दौड़ा - दौड़ा कर पीटा। समझ में नहीं आता कि कोई नंगई की हद तक इतना नीचे कैसे गिर सकता है। इसे ही कहते हैं गुनाह - ए - बेलज्जत। बहरहाल अब बात निकली है तो यह बहुत दूर तक जाएगी।

एसआईआर का असर : 4 माह के विशेष पुनरीक्षण के बाद अंतिम सूची जारी : एमपी में अब 5.39 करोड़ वोटर

# मप्र में 34.25 लाख नाम घटे

**भोपाल/नवप्रदेश।** स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के तहत नाम जोड़ने, हटाने के लिए बुलाए गए दावे-आपत्ति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शनिवार को मध्य प्रदेश में मतदाताओं की स्थिति साफ हो गई। 21 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। 1 जनवरी 2026 की तिथि के आधार पर जारी इस सूची में कुल 5,39,81,065 मतदाता हैं। अब चुनाव आयोग की एसआईआर की कार्रवाई भी कम्प्लीट हो गई। अब ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से नाम जोड़ने और हटवाने की प्रक्रिया चलती रहेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश संजीव झा के अनुसार, 27 अक्टूबर 2025 से प्रदेशभर में यह अभियान चरणबद्ध तरीके से चलाया गया। लगभग चार माह तक चले इस विशेष पुनरीक्षण के दौरान नाम जोड़ने, विलोपन और संशोधन से संबंधित दावे-आपत्तियां 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक प्राप्त की गईं। इसके बाद 14 फरवरी 2026 तक सभी दावों और आपत्तियों का सत्यापन कर उनका निराकरण किया गया। प्रारंभिक मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व राज्य में कुल 5,74,06,143 मतदाता पंजीकृत थे। प्रारूप सूची के प्रकाशन के बाद यह संख्या घटकर 5,31,31,983 रह गई थी। अंतिम सूची में कुल 5,39,81,065 मतदाताओं के नाम शामिल किए गए हैं। इस प्रकार प्रारूप सूची के बाद 8,49,082 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि (नेट एडिशन) दर्ज की गई। कुल मिलाकर 34,25,078 मतदाताओं की संख्या 27 नवंबर से अब तक की कार्रवाई में घटी है।

**मंत्रियों के क्षेत्रों में सबसे ज्यादा कटे और जोड़े गए नाम**

एसआईआर की कार्रवाई पूरी होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत उनके मंत्रियों के क्षेत्र से 8 लाख 20 हजार 255 नाम काटे गए थे। इसके बाद नए नाम जोड़ने को लेकर तय समय-सीमा में सिर्फ 1 लाख 69 हजार 753 आवेदन जमा किए गए। सबसे अधिक नाम मंत्री कृष्णा गौर और विश्वास सारंग के विधानसभा क्षेत्र से कटे थे उसी तरह नए नाम जोड़ने के लिए सबसे अधिक आवेदन जमा हुए थे। पूरे प्रदेश की बात करें तो 42 लाख 74 हजार से अधिक नाम काटने की कार्यवाही एसआईआर में की गई और इसके विपरीत नए नाम जोड़ने के लिए सिर्फ 9 लाख 89 हजार 991 लोगों ने आवेदन जमा किए गए ■ शेष पृष्ठ 6 पर

### इन विधानसभा सीट में भी दो हजार से कम आवेदन आए

चुनाव आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक टिमरनी विधानसभा सीट से 1463 आवेदन मिले थे। भगवानपुरा सीट से 1556 और रतलाम ग्रामीण के लिए 1629 आवेदन जमा कराए गए तो जावद सीट के लिए 1649 आवेदन नए नाम जोड़ने के लिए आए। छतरपुर जिले की मलहरा विधानसभा सीट से 1742 आवेदन आए। पूर्व मंत्री बिसाहू लाल सिंह की सीट अनूपपुर से 1750 आवेदन नए नाम जोड़ने के लिए मिले थे। वहीं शमशाबाद विधानसभा सीट के लिए 1781 आवेदन जमा किए गए। भीकनगांव के लिए 1794, बदनावर सीट से 1799, बड़वाह सीट के लिए 1838 आवेदन नए नाम जोड़ने के लिए आए। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के विधानसभा क्षेत्र से 1934 आवेदन जमा हुए थे।

### मंत्री कृष्णा और सारंग के क्षेत्र में सबसे अधिक नाम कटे

एसआईआर में सबसे अधिक नाम गोविन्दपुरा से विधायक और मोहन सरकार में मंत्री कृष्णा गौर के क्षेत्र से काटे गए थे। भोपाल जिले की इस विधानसभा सीट से 97052 मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। दूसरे स्थान पर इंदौर-5 से बीजेपी विधायक महेंद्र हार्डिया का विधानसभा क्षेत्र है। मोहन सरकार के मंत्री विश्वास सारंग और कैलाश विजयवर्गीय के क्षेत्र से 81235 और 75014 वोटर्स के नाम काटे गए। एसआईआर में सबसे कम 6034 नाम नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र से कटे। एसआईआर ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद जो रिपोर्ट सामने आई थी उसके अनुसार मोहन सरकार के पांच मंत्रियों के क्षेत्र में 50 हजार से अधिक मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। इसमें भोपाल के दो विधानसभा क्षेत्र गोविन्दपुरा और नरेला, इंदौर के इंदौर-1, ग्वालियर जिले की ग्वालियर विधानसभा, ग्वालियर दक्षिण विधानसभा, इंदौर जिले की इंदौर -1 विधानसभा शामिल है।

## समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के लक्ष्य को किया जा रहा है साकार : सीएम यादव

**बजट में किसानों का रखा गया है पूरा ध्यान**

**राज्य सरकार की प्राथमिकता में है किसान कल्याण**

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष-2026 प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्रदेश में विविध जलवायु जोन, पर्याप्त सिंचाई सुविधा, बेहतर रोड नेटवर्क उपलब्ध है। इसका लाभ लेकर किसानों की आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र में रोजगार सृजन के उद्देश्य आधारित गतिविधियां संचालित कर प्रदेश में ÷समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश÷ के लक्ष्य को साकार किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में किसान कल्याण के लिए पर्याप्त बजट की व्यवस्था की गई है, जिससे किसानों को आत्म-निर्भर बनाने एवं कृषि आय को दोगुना करने में मदद मिलेगी। कृषि एवं किसानों से संबंधित योजनाओं में भी बजट की कोई कमी नहीं रखी गई। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट से किसान कल्याण के कार्यों को गति प्रदान की जाएगी। इससे किसान कल्याण वर्ष के निर्धारित लक्ष्यों को भी प्राप्त किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के बजट 2026-27 के अंतर्गत कृषि के साथ जल प्रदाय योजनाओं के लिए भी महत्वपूर्ण प्रावधान किये गये। जल परियोजनाओं के माध्यम से हर किसान के खेत तक सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराया जायेगा। प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से सिंचाई के रकबे में निरंतर बढोत्तरी हो रही है। शीघ्र ही प्रदेश में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर हो जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष में किसान कल्याण के लिये जो प्रावधान किये गये हैं, उसमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना में 343 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री जन मन कार्यक्रम अंतर्गत विद्युतीकरण कार्य के अन्तर्गत 96 करोड़ रुपये, अटल कृषि ज्योति योजना के अन्तर्गत 13914 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अन्तर्गत 5501 करोड़ रुपये, भावांतर/ ■ शेष पृष्ठ 6 पर

## न्यूज गैलरी

### पीएम नरेंद्र मोदी कल मेरठ दौरे पर

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 फरवरी 2026 को मेरठ का दौरा करेंगे। दोपहर करीब 12:30 बजे वे शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे और वहां से मेरठ साउथ स्टेशन तक मेट्रो से यात्रा करेंगे। दोपहर लगभग 1 बजे वे मेरठ में करीब 12,930 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण करेंगे।

### आतंकी हमला : लाल किले की सुरक्षा बढ़ाई

**नई दिल्ली (ए.)** केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद दिल्ली में सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। लाल किले के आसपास आईईडी ब्लास्ट की आशंका को लेकर अलर्ट जारी किया है। खुफिया जानकारी के अनुसार पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को अपने निशाने पर रखा है।

## 'प्रोजेक्ट चीता' 'प्रकृति से प्रगति' का संदेश देती विश्व की सबसे सफल परियोजना : सीएम यादव

**विलुप्त हुए फर्राटों को प्रदेश में मिली रफ्तार, देश में जन्मे चीतों की भी होने लगी वंश-वृद्धि**

**बोत्स्वाना से 28 फरवरी को आएंगे 8 चीते**

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश में चीता पुनर्स्थापन के 'प्रोजेक्ट चीता' को विश्व का सबसे सफल अभियान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो में चीतों की सफल बसाहट पर खुशी जताते हुए कहा कि 28 फरवरी 2026 तक बोत्सवाना से 8 और चीते लाये जायेंगे। यह परियोजना 'प्रकृति से प्रगति' का संदेश है। भारत में विलुप्त हो चुके चीते के पुनर्स्थापन का ऐतिहासिक प्रयास, 'प्रोजेक्ट चीता', ने अपने तीन वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। सितंबर 2022 में शुरू हुई यह वन्य जीव संरक्षण यात्रा सफलता के स्वर्णिम सोपान चढ़ चुकी है। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों ने भारतीय धरती पर खुद को अनुकूलित कर लिया है। कूनो और गांधी सागर अभयारण्य में उनकी दूसरी पीढ़ी के शावकों के निर्भय फर्राटों ने सिद्ध कर दिया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कल्पना को मुख्यमंत्री ■ शेष पृष्ठ 6 पर

रायपुर के चंदखुरी में स्थापित होगी भगवान श्रीराम की 51 फीट की विशाल प्रतिमा

## मध्य प्रदेश से निकले वनवासी राम, ननिहाल में विराजेंगे

**ग्वालियर-रायपुर।** ग्वालियर के मूर्तिकार दीपक विश्वकर्मा द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार के लिए तैयार की गई 51 फीट ऊंची भगवान राम की प्रतिमा रायपुर के लिए रवाना हो गई है। लगभग आठ महीने पहले ग्वालियर मिंट स्टोन से बनी यह प्रतिमा छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित चंदखुरी में रामपथ गमन स्थल पर स्थापित की जाएगी।

प्रतिमा तैयार होने के बाद ठेकेदार और संबंधित पक्षों के बीच भुगतान को लेकर विवाद खड़ा हो गया था, जिसके कारण प्रतिमा लेने से इनकार कर दिया गया था। इस मामले ने तब सुर्खियां बटोरीं, जब छत्तीसगढ़ के संस्कृति मंत्री ग्वालियर में एक कार्यक्रम में शामिल हुए और मीडिया ने उनसे इस मुद्दे पर सवाल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

**प्रतिमा की खासियत**

- यह प्रतिमा भगवान श्रीराम की वनवासी रूप में है।
- इस भव्य प्रतिमा की ऊंचाई लगभग 51 फीट है।
- प्रतिमा ग्वालियर के मिंट स्टोन से बनाई गई है, जो विश्व विख्यात है।
- प्रतिमा में उकेरे गए 108 रुद्राक्ष की मालाओं से सुज्जित किया गया है।
- इस मूर्ति को तैयार करने के लिए लगभग 70 टन पत्थर का उपयोग किया गया है।
- मूर्ति का वजन लगभग 40 टन है। प्रतिमा को 25 कारीगरों ने 7 महीने में तैयार किया

## गरमा-गरम

शिवपुरी में अश्लील वीडियो रिकॉर्डिंग, डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी और वित्तीय धोखाधड़ी करने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़

# मध्यप्रदेश पुलिस की साइबर अपराधों पर बड़ी कार्यवाही

**1 करोड़ 7 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जप्त, 20 आरोपी गिरफ्तार**

**भोपाल/नवप्रदेश।** पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर श्री ए.साई मनोहर के निर्देशानुसार साइबर अपराधों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा प्रदेश स्तर पर ऑपरेशन मैट्रिक्स (Mule Account Tracking, Removal & Investigation E&ercise)÷ चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शिवपुरी पुलिस ने विगत एक सप्ताह मे सायबर अपराधियों के विरुद्ध 04 एफआईआर दर्ज कर 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही अपराध मे प्रयुक्त 29 मोबाइल, 07 चार पहिया वाहन, एक मोटर सायकल, 01 लाख 20 हजार रुपये नगद, 07 बैंकों की पास बुक, 16 एटीएम कार्ड, तथा सिम कार्ड सहित लगभग 01 करोड़ 07 लाख रूपये की संपत्ति जब्त की है। यह कार्यवाही पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन श्री अरविंद कुमार सक्सेना एवं पुलिस उप महानिरीक्षक श्री अमित सांघी के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के पर्यवेक्षण में गठित 09 टीमों द्वारा की गई। उक्त गिरोह महिलाओं के नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर लोगों से अश्लील चैट करता था, उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग कर लेता था तथा स्वयं को पुलिस अधिकारी बताकर दुष्कर्म एवं चाइल्ड पोर्नोग्राफी जैसे गंभीर अपराधों में फंसाने की धमकी देकर तथाकथित ÷डिजिटल गिरफ्तारी÷ का भय उत्पन्न कर केस सेटलमेंट के नाम पर अवैध वसूली करता था। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

## ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं 10% टैरिफ ही लगेगा: ट्रम्प

**वॉशिंगटन डीसी/ए.।** अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दुनियाभर के देशों पर लगाए गए टैरिफ को रद्द कर दिया है। इसके कुछ घंटे बाद ही ट्रम्प ने फिर से 10% टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ऐसे में भारत पर लगे टैरिफ को लेकर यह भी सवाल उठ रहा है कि भारत को 18% टैरिफ देना होगा या 10%। इसकी दो वजहें हैं- राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह पहले की तरह आगे बढ़ेगी।

**भारत सरकार बोली- मामले को ध्यान से देख रहे:** टैरिफपर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

**भारत सहित कई देशों पर लगा वैश्विक टैरिफ**

एक रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया ब्रिटेन, भारत और यूरोपीय संघ सहित अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने वाले देशों को अब धारा 122 के तहत 10% वैश्विक टैरिफ का ही सामना करना पड़ेगा, न कि उस टैरिफदर का जिस पर उन्होंने पहले बातचीत की थी। रिपोर्ट सही मानें तो भारत पर कुल टैरिफ 18% घटकर 10% रह जाएगा, जबकि ट्रम्प का बयान 18% टैरिफ की ओर इशारा कर रहा है।

# रेवापुर मोड़-पोडिपा मार्ग एवं नाला पुल निर्माण का भूमिपूजन, 5.52 करोड़ की लागत से होंगे विकास कार्य

**अंबिकापुर/नवप्रदेश।** जनपद पंचायत अम्बिकापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पोडिपा में रेवापुर मोड़ से पोडिपा पहुंच मार्ग तथा पोडिपा नाला पर पुल निर्माण कार्य का भूमि पूजन समारोह आयोजित किया।

लगभग 5.52 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस महत्वपूर्ण सड़क एवं पुल निर्माण कार्य का शुभारंभ प्रबोध मिंज, विधायक लुण्ड्रा द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग एवं ग्रामीणजनों द्वारा विधायक का माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात विधायक ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमि पूजन संपन्न कराया। अपने उद्बोधन में विधायक मिंज ने कहा कि इस सड़क और पुल निर्माण की मांग स्थानीय ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से की जा रही थी। उन्होंने कहा कि पुल निर्माण से पोडिपा गांव, जो नाले के कारण दो भागों में बंटा हुआ था, अब सुगम आवागमन के माध्यम से एकजुट होगा। यह परियोजना क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और ग्रामीणों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, मंडल अध्यक्ष राजू सिंह, सरपंच देवंती कुजूर, सोहन बड़ा, प्रिया पुष्प कुमार, तेरेसा केरकेट्टा, जनपद सदस्य करिश्मा केरकेट्टा, उप सरपंच बगदली, पूर्व सरपंच कृपा एक्का, परमेश्वर, बूथ अध्यक्ष प्रेमचंद सूर्यवंशी, मुकेश गिरी, सुरेंद्र विश्वकर्मा, उप सरपंच श्यामलाल तिग्गा, संजय सिंह, युवा मोर्चा मंत्री दारा सिंह, सत्यनारायण पन्ना सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

### दोनों हिस्सों के बीच सुगम संपर्क स्थापित होगा

भूमि पूजन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि इस सड़क और पुल निर्माण की मांग स्थानीय ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से की जा रही थी। पूर्व में केवल आश्वासन मिलते रहे, लेकिन अब यह मांग धरातल पर पूरी हो रही है। उन्होंने बताया कि पोडिपा गांव नाले के कारण दो भागों में विभाजित था, जिससे आवागमन में कठिनाई होती थी। पुल निर्माण के बाद दोनों हिस्सों के बीच सुगम संपर्क स्थापित होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

## न्यूज गैलरी

### बिजली करंट की चपेट में आने से युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

**सरगुजा/नवप्रदेश।** थाना क्षेत्र के ग्राम बेलदगी में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ बिजली का करंट लगने से एक 34 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान देवमुन दास (पिता दलबीर दास, निवासी ग्राम बेलदगी) के रूप में हुई है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, देवमुन दास 19 फरवरी को घर से यह कहकर निकला था कि वह नदी की तरफ जा रहा है। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान गांव के मुनी दास ने सूचना दी कि भैराइन ढोढगा के पास देवमुन अचेत अवस्था में जमीन पर पड़ा है। परिजन जब वहां पहुंचे तो देखा कि देवमुन के शरीर की त्वचा जलकर काली पड़ गई थी। घटनास्थल के पास से गुजरने वाली 11 केवी बिजली लाइन का एक नंगा तार बोल्ट सहित युवक के पास लटका हुआ था। आसपास की घास भी जल गई थी, जिससे स्पष्ट था कि करंट लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ था और अक्सर आत्महत्या करने की बात कहा करता था। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच (पंचनामा कार्रवाई) की जा रही है।

### लरगसाय-रामानुजगंज फोरलेन के लिए 69 करोड़ की स्वीकृति

**लखनपुर/नवप्रदेश।** क्षेत्र वासियों के लिए बेहद हर्ष की बात है कि लरगसाय चौक से रामानुजगज मार्ग 638 किमी फोरलेन चौड़ीकरण निर्माण के लिए 69.0962 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल की पहल से प्राप्त होने से प्रदेश के मुख्य मंत्री विष्णु देव साय उप मुख्यमंत्री अरूण साव ,वित मंत्री ओपी चौधरी (प्रभारी सरगुजा) छत्तीसगढ़ शासन का पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया है। केबिनेट मंत्री ने कहा इस मार्ग के बन जाने से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुगमता हासिल होगी व्यापार शिक्षा स्वास्थ्य सेवाओं का पहुंच आसान होगी। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच सम्पर्क सुदृढ़ होने से समग्र विकास को गति मिलेगी। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि सरकार क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करना प्राथमिकता है संबंधित विभाग को शीघ्र ही कार्य प्रारंभ करने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

### विशेष संरक्षित पंडो जनजाति की बुजुर्ग महिला से मारपीट, मामला दर्ज

**लखनपुर/नवप्रदेश।** जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र से एक शर्मनाक मामला सामने आया है, जहाँ राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाली विशेष संरक्षित पंडो जनजाति की एक 65 वर्षीय महिला के साथ मारपीट की गई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम परसोडीकला पंडोपारा निवासी पीड़िता केन्दी बाई (पति स्व. केन्दू राम) 19 फरवरी की शाम अपने रिश्तेदार तुलसी के घर आयोजित छठी कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। खाना खाने के बाद जब वह आंगन में बैठी थी, तभी तुलसी का भाई लोखो उर्फ बनस राम नशे की हालत में वहां पहुंचा। आरोपी ने पीड़िता के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए अश्लील गालियां दीं और वहां आने का कारण पूछते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी ने डंडे से पीड़िता पर हमला कर उसे बुरी तरह पीटा। पीड़िता ने 20 फरवरी को थाने पहुंचकर घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी लोखो उर्फ बनस राम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्हृस्) की धारा 296(बी), 351(3) और 115(2) के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए विवेचना में जुटी है। इस घटना से जनजाति समुदाय में काफी आक्रोश देखा जा रहा है।

### थल सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए एक अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित

**बलरामपुर/नवप्रदेश।** भारतीय थलसेना में अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 13 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी 1 अप्रैल 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि भर्ती के अंतर्गत अग्निवीर (पुरुष) जनरल, तकनीकी, लिपिक/स्टोर कीपर, ट्रेडमैन (दसवीं एवं आठवीं उत्तीर्ण) तथा अग्निवीर महिला (सेना पुलिस) सहित स्थायी कैडर नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट (वेट) एवं सिपाही फार्मा के पदों पर भर्ती की जाएगी। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) 1 जून से 10 जून 2026 के मध्य आयोजित किए जाने की संभावना है। परीक्षा से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश समय-समय पर आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। अभ्यर्थी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के समीप स्थित सेना भर्ती कार्यालय, नया रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-2665212 एवं 0771-2965214 पर संपर्क कर सकते हैं।

# कलेक्टर ने ली महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक

**अंबिकापुर/नवप्रदेश।** कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना, अपार आईडी, आभा आईडी, पूरक पोषण आहार वितरण, घरेलू हिंसा प्रकरण, बाल देखरेख संस्थाएं, स्पॉन्सरशिप कार्यक्रम, मुख्यमंत्री उदय योजना, बाल विवाह रोकथाम सहित अन्य विभागीय योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कलेक्टर वसंत ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करें। साथ ही विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित मॉनिटरिंग करने करने को कहा।

महतारी वंदन योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों की अद्यतन सूची तैयार करने के निर्देश दिए। मृत, पलायन, गुमशुदा एवं आधार संशोधन संबंधी प्रकरणों का सत्यापन कर वास्तविक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने को कहा गया। सभी सीडीपीओ को पारदर्शिता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बच्चों के अपार आईडी निर्माण की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिन बच्चों के पास आधार उपलब्ध है, उनकी अपार आईडी शीघ्र बनाई जाए तथा आगामी एक माह में उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित की जाए। इसी प्रकार आभा आईडी निर्माण की समीक्षा करते हुए विशेष रूप से शहरी परियोजना क्षेत्र में और बेहतर प्रदर्शन करने के निर्देश दिए गए।

### प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में तेजी लाने के निर्देश

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों की जानकारी ली और पंजीयन, सत्यापन एवं भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र गर्भवती एवं धात्री माता योजना से वंचित न रहे। सेक्टर सुपरवाइजरों को आगामी समीक्षा बैठक तक ठोस प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

#### पूरक पोषण आहार एवं कुपोषण नियंत्रण पर गंभीरता

कलेक्टर ने पूरक पोषण आहार वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता एवं नियमितता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें समय पर पोषण पुनर्वास केंद्र भेजने तथा उनकी नियमित फॉलोअप मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुपोषण नियंत्रण शासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

## राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 22 को

**बलरामपुर/नवप्रदेश।** राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 जिले में कलेक्टर के निर्देशन में जिला मुख्यालय के दो परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न होगी। परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए जिला स्तर पर अपर कलेक्टर चेतन बोरघरिया को नोडल अधिकारी एवं अधीक्षक भू-अभिलेख जितेंद्र कुमार डहरे को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 का आयोजन 22 फरवरी 2026 को किया जा रहा है। जिसके लिए जिले में 02 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है।

जिसमें कुल 717 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। उक्त परीक्षा शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर (परीक्षा केन्द्र कोड-1801) एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर (परीक्षा केन्द्र कोड-1802) में दो पालियों में (प्रथम पाली, प्रात: 10:00 बजे से 12:00 एवं द्वितीय पाली, दोपहर 03:00 बजे से 05:00 बजे तक) आयोजित होगी। आयोजित होने वाली पीएससी परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्रवार उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है।

जिसके अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर के लिए तहसीलदार बलरामपुर सुनील कुमार गुप्ता को दल प्रभारी तथा उप निरीक्षक अभिमन्यु सिंह की सदस्य के रूप में डयूटी लगाई गई है। परीक्षा के नोडल अधिकारी व अपर कलेक्टर चेतन बोरघरिया ने बताया है कि परीक्षार्थी प्रवेश पत्र पर दिये गये निर्देशों का भली-भांति अवलोकन कर ले। यदि किसी परीक्षार्थी का प्रवेश पत्र पर फोटो स्पष्ट नहीं है तो वह स्वयं का दो पासपोर्ट साईज फोटो एवं कोई भी एक पहचान प्रमाण पत्र की मूल प्रति के साथ उपस्थित हो सकता है। साथ ही किसी भी प्रकार का अनुचित साधन का प्रयोग करते पाये जाने पर आयोग के निर्देशानुसार कार्यवाही की जाएगी।

## उद्योग सखियों को मिला आवासीय प्रशिक्षण

**बलरामपुर/नवप्रदेश।** जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में पहल करते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत गठित प्रोड्यूसर ग्रुप की उद्योग सखियों का 16 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक 05 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण जेंडर रिसोर्स सेंटर, बलरामपुर में आयोजित किया गया। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के द्वारा इस प्रशिक्षण का समय-समय पर अवलोकन करने के साथ ही प्रशिक्षण में शामिल सखियों का मार्गदर्शन भी किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न प्रोड्यूसर ग्रुप से चयनित उद्योग सखियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राज्य स्तरीय प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर एवं प्रदान संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रोड्यूसर ग्रुप के गठन का उद्देश्य तथा समूह आधारित आजीविका संवर्धन की रणनीतियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान उद्योग सखियों को बाजार की मांग के अनुरूप आजीविका गतिविधियों के चयन, उत्पादों के मूल्य निर्धारण, लागत विश्लेषण, लाभांश गणना तथा प्रभावी विपणन रणनीतियों पर विशेष सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

## राज्य सलाहकार ने स्वच्छता व्यवस्थाओं का लिया जायजा

**बलरामपुर/नवप्रदेश।** जिले में स्वच्छता व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत का आकलन करने और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य सलाहकार पुरुषोत्तम पंडा ने विभिन्न ग्राम पंचायतों का विस्तृत भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वच्छता, कचरा प्रबंधन के लिए संचालित व्यवस्थाओं की प्रगति का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान पंडा ने फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने प्लांट के नियमित संचालन तथा समयबद्ध स्लज निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्य सलाहकार ने ग्राम पंचायतों में निर्मित सामुदायिक शौचालय एवं व्यक्तिगत शौचालयों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, जल उपलब्धता, रख-रखाव एवं नियमित उपयोग सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सेग्रीगेशन शेड एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था, कचरा कलेक्शन, गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण तथा उसके निपटान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान स्वच्छग्राही दीदियों को कचरा संग्रहण की नियमितता, कचरे का पृथक्करण, यूज़र चार्ज संबंध में विस्तार से समझाया।

## युवाओं को स्वरोजगार की ओर प्रेरित करेगा स्टार्टअप जागरुकता अभियान

#### 23 से 27 फरवरी तक चार संस्थानों में शिविर

**अंबिकापुर/नवप्रदेश।** जिले में युवाओं के बीच नवाचार एवं उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सरगुजा (उद्योग विभाग) द्वारा 23 से 27 फरवरी 2026 तक स्टार्टअप एवं उद्यमिता जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक ने बताया कि राज्य में नवाचार, स्टार्टअप तथा उद्यमिता संस्कृति को प्रोत्साहित करने और युवाओं को स्वरोजगार की ओर प्रेरित करने के लिए जिले के चार उच्च शिक्षण संस्थानों में यह शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों के माध्यम से युवाओं को स्टार्टअप की अवधारणा, सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन संबंधी जानकारी प्रदान की जाएगी।

## बच्चों में खून की कमी रोकने शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

**अंबिकापुर/नवप्रदेश।** एनीमिया मुक्त भारत - एनीमिया मुक्त सरगुजा अभियान के अंतर्गत बच्चों, किशोरों एवं महिलाओं में एनीमिया की रोकथाम और नियंत्रण हेतु जिले के शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को ने बताया कि अभियान का उद्देश्य 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों एवं किशोरों (लड़के-लड़कियां), 15 से 49 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं, गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं में एनीमिया के प्रसार को प्रतिवर्ष कम करना है। उन्होंने कहा कि बच्चों में एनीमिया की रोकथाम में विद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए जिले के सभी विकासखंडों के शिक्षकों को शत-प्रतिशत प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा के निर्देशन में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग के मास्टर ट्रेनर डीपीएम डॉ. पुष्पेन्द्र राम एवं सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ. श्रीकांत सिंह चौहान द्वारा अंबिकापुर, लखनपुर एवं उदयपुर विकासखंड के प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाई स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा व्याख्याताओं को प्रशिक्षण दिया गया।डॉ. पुष्पेन्द्र राम ने बताया कि एनीमिया वह स्थिति है जब शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं या हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है, जिससे शरीर के अंगों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचती। सामान्य भाषा में इसे खून की कमी कहा जाता है। इसके प्रमुख लक्षणों में लगातार थकान, कमजोरी, सांस फूलना, त्वचा व नाखूनों का पीलापन, चक्कर आना, दिल की धड़कन तेज होना तथा हाथ-पैर ठंडे रहना शामिल हैं।

**निर्देश: पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से की भेंट**

# जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मंत्री ने अफसरों को दिए दिशा-निर्देश

**अंबिकापुर/नवप्रदेश।** पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर स्थित अपने निज निवास पर क्षेत्र के नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने न केवल आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना, बल्कि संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित भी किया।

मंत्री राजेश अग्रवाल का यह जनसंपर्क कार्यक्रम औपचारिकता से परे, संवेदनशील संवाद का उदाहरण बनकर सामने आया। उनके व्यवहार में सहजता, सहृदयता और आत्मीयता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। क्षेत्रवासियों ने खुलकर सड़क, पेयजल, विद्युत, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुविधाओं से जुड़ी मांगें मंत्री के समक्ष रखीं, जिन पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याण एवं क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए। राजेश अग्रवाल का मानना है कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि जनता के सुख-दुख में सहभागी बनना ही वास्तविक जनसेवा है। अग्रवाल जनता से निरंतर संपर्क में रहकर समस्याओं के समाधान के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता झलकती है। वे क्षेत्र के विकास को केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व मानते हैं। यही कारण है कि क्षेत्र के लोग उन्हें सहज, सुलभ और संवेदनशील जनप्रतिनिधि के रूप में देखते हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री के रूप में राजेश अग्रवाल जहां प्रदेश में पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सक्रिय हैं, वहीं अपने विधानसभा क्षेत्र और लखनपुर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में विकास कार्यों की सतत निगरानी भी कर रहे हैं। जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों ने इस अवसर पर मंत्री की संवेदनशील कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे हमेशा आमजन की बात सुनने और समाधान सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध रहते हैं। लखनपुर में आयोजित यह भेंट-मुलाकात केवल समस्याओं के समाधान का माध्यम ही नहीं, बल्कि मंत्री श्री राजेश अग्रवाल और क्षेत्र की जनता के बीच गहरे विश्वास और आत्मिक संबंध का सशक्त प्रमाण भी है।

### त्वरित निराकरण का निर्देश

मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार क्षेत्रीय विकास और जनकल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पारदर्शिता और जवाबदेही को अपनी कार्यशैली का आधार मानते हुए, उन्होंने विकास कार्यों की निरंतर समीक्षा करने को कहा।

## न्यूज गैलरी

## राष्ट्रीय जाट महासभा में भावना जाट बनीं उज्जैन जिला अध्यक्ष

### महिला नेतृत्व को बढ़ावा, संगठन में नई ऊर्जा का संचार

उज्जैन/नवप्रदेश। राष्ट्रीय जाट महासभा (भारत) ने संगठन विस्तार के तहत एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए महिला इकाई की सक्रिय सदस्य आदरणीय भावना जाट महेश जाट को उज्जैन जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष चौधरी सुनील ढींगला एवं प्रदेश कोर कमेटी के निर्देशानुसार की गई है। इस फैसले के बाद संगठन कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

माना जा रहा है कि भावना जाट के नेतृत्व में उज्जैन जिले में संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलेगी। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष भावना जाट ने अपने उद्बोधन में कहा कि वह संगठन की विचारधारा को मजबूत करने, समाज हित में कार्य करने तथा युवाओं और महिलाओं को संगठन से जोड़ने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगी। संगठन परिवार की ओर से उन्हें इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं दी गईं। राजनीतिक और सामाजिक हलकों में इस नियुक्ति को महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

## शिवनारायण झाला बने राष्ट्रीय मंत्री, शिव शंकर वर्मा प्रदेश सह-संगठन सचिव नियुक्त

### राष्ट्रीय सर्व सेन समाज संगठन के अध्यक्ष गोरेलाल सेन ने की अहम नियुक्तियां; झाला के मनोनयन से समाजजनों में हर्ष की लहर

उज्जैन/नवप्रदेश। राष्ट्रीय सर्व सेन समाज संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोरेलाल सेन ने समस्त वरिष्ठ पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से उज्जैन सर्व सेन समाज के अध्यक्ष शिवनारायण झाला को 'राष्ट्रीय मंत्री' और शिव शंकर वर्मा को 'प्रदेश सह-संगठन सचिव' के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। वीरेंद्र परमार के अनुसार समाज के प्रति शिवनारायण झाला के समर्पण और उनके द्वारा पूर्व में सफलतापूर्वक आयोजित किए गए अनेक सामाजिक कार्यक्रमों व सक्रियता को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें यह राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी सौंपी है। इन नियुक्तियों की आधिकारिक जानकारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश मारू, महावीर सेन, राजू वर्मा, कमलेश गंगवाल और बसन्त सेन द्वारा संयुक्त रूप से दी गई। सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए बधाई प्रेषित की है और आशा जताई है कि उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को छूएगा। श्री झाला और श्री वर्मा की इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर समाज के वरिष्ठ शेखर श्रीवास, सुशील श्रीवास, मनोहर परमार, सुरेंद्र सेन, प्रेम यादव, सुरेश सोलंकी, आर.एल. वर्मा, आरपी वर्मा, भारत श्रीवास, निलेश वर्मा और सुनील वर्मा (आरओ) सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी है।

## शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

रतलाम/नवप्रदेश। ज्ञान, चिंतन और विमर्श की गरिमामयी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रतलाम में 20 फरवरी को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "वैश्वीकरण के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा की भूमिका" के आयोजन का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों अश्विनी कुमार (डीआरएम), श्री प्रदीप खरे, डॉ. वाय.के. मिश्रा द्वारा मां वीणापाणि की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया गया, तत्पश्चात महाविद्यालय के संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा मां शारदा की वंदना नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत कर समां सुरमई बना दिया। साथ ही महाविद्यालय की छात्राओं ने अतिथियों का स्वागत नृत्य के माध्यम से किया। उद्घाटन सत्र की अगली कड़ी में अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ मंगलेश्वरी जोशी, डॉ माणिक डांगे, डॉ सुरेश चौहान, डॉ तबस्सुम पटेल, डॉ वी एस बामनिया, डॉ सुनीता श्रीमाल, डॉ विनोद जैन, डॉ बी वर्मा, डॉ मधु गुप्ता, डॉ रोशनी रावत, प्रो एस पी गिरी, प्रो सौरभ गुर्जर, श्रीमती बबीता सिसोदिया, सुश्री अमिता वर्मा, श्री नंदलाल पंवार द्वारा किया गया। तत्पश्चात आईक्यूएसी प्रभारी एवं संगोष्ठी समन्वयक डॉ माणिक डांगे ने विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा केवल प्राचीन ग्रंथों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह एक समग्र और जीवनमूल्य-आधारित दृष्टि है। वेद, उपनिषद तथा श्रीमद्भगवद्गीता जैसे ग्रंथों में निहित ज्ञान मानव जीवन के आध्यात्मिक, नैतिक और बौद्धिक आयामों को संतुलित रूप में प्रस्तुत करता है। यह ज्ञान केवल मोक्ष या आध्यात्म तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक व्यवस्था, कर्तव्य, नैतिकता और नेतृत्व के सिद्धांत भी प्रदान करता है। विषय प्रवेश के पश्चात अतिथियों का सम्मान पट्टी व शील्ड के माध्यम से किया गया, साथ ही ऑनलाइन अतिथियों का भी स्वागत, सम्मान किया गया। अतिथियों द्वारा संगोष्ठी हेतु आए शोध सारांश की प्रकाशित पुस्तिका "संचयिका" का विमोचन किया गया, इस अवसर पर वाणिज्य विभाग द्वारा शोध सेमिनार की पत्रिका का भी विमोचन किया गया। उद्घाटन सत्र के प्रथम वक्ता के रूप में डॉ. पवन मिश्रा सर ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों से जुड़े व "भारतीय ज्ञान परंपरा और बौद्धिक संपदा अधिकार" विषय पर बोलते हुए कहा कि बुद्धि से जुड़े कार्य जो रचनाकार को प्रस्तुत करते है, बौद्धिक कहलाते है, यह परंपरा के रूप में चले

# आरटीओ का भरोसा: विक्रमोत्सव वाहन मेले में सभी खरीदारों को मिलेगी टैक्स छूट

उज्जैन/नवप्रदेश। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में आयोजित विक्रमोत्सव व्यापार मेले के तहत चल रहे वाहन मेले में टैक्स छूट को लेकर उत्पन्न तकनीकी बाधा पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय उज्जैन ने स्थिति स्पष्ट की है। आरटीओ संतोष मालवीय ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी वाहन खरीदार की टैक्स छूट प्रभावित नहीं होगी और प्रक्रिया शीघ्र शुरू कर दी जाएगी।

मेले के पांचवें दिन तक 2965 वाहन बिक चुके हैं, जिनमें फोर व्हीलर की संख्या सर्वाधिक है। टैक्स जमा करने के लिए उपयोग होने वाले नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के केंद्रीय पोर्टल पर फिलहाल ग्वालियर मेले की टैक्स छूट सक्रिय है, जबकि मध्यप्रदेश में समानांतर रूप से उज्जैन और ग्वालियर-दोनों स्थानों पर वाहन मेले आयोजित हो रहे हैं। ग्वालियर में मेला 25 दिसंबर से 25 फरवरी तक तथा उज्जैन में 15 फरवरी से प्रारंभ हुआ है।

पोर्टल की तकनीकी संरचना के अनुसार एक समय में केवल एक शहर की टैक्स छूट ही सक्रिय रह सकती है, जिसके कारण उज्जैन में बिके वाहनों का टैक्स अस्थायी रूप से जमा नहीं हो पा रहा है।

### आरटीओ का कहना

आरटीओ संतोष मालवीय ने स्पष्ट किया कि सभी वाहनों का वैरिफिकेशन जारी है और दिल्ली स्तर पर तकनीकी टीम समस्या के समाधान में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार से टैक्स जमा करने की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि किसी भी डीलर या ग्राहक पर पेनल्टी का भार नहीं पड़ेगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव स्वयं इस विषय की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, जिससे समाधान में तेजी आई है।

### डीलरों और ग्राहकों को राहत

वाहन डीलरों ने टैक्स छूट के अनुरूप राशि लेकर वाहनों की डिलीवरी कर दी है। बीमा प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है, लेकिन टैक्स जमा न होने से असमंजस की स्थिति बनी थी। आरटीओ के आश्वासन के बाद डीलरों और ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है।

## श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में शयन आरती सम्पन्न, 8493 श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

उज्जैन/नवप्रदेश। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में आयोजित शयन आरती शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं भक्तिमय वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। देर रात्रि आयोजित इस दिव्य आरती में श्रद्धालुओं की विशेष उपस्थिति रही। आज की शयन आरती में पूर्व में पंजीयन कराने वाले 1168 श्रद्धालुओं तथा 7325 निःशुल्क दर्शनार्थियों सहित कुल 8493 श्रद्धालुओं ने विधिवत दर्शन लाभ प्राप्त किया। मंदिर प्रशासन द्वारा सभी श्रद्धालुओं को क्रमबद्ध एवं सुव्यवस्थित तरीके से दर्शन कराए गए।

आरती के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रशासन की समुचित व्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। सुरक्षा, यातायात एवं दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों का विशेष सहयोग रहा।

शयन आरती के साथ ही भगवान महाकाल को विधिवत शयन कराया गया और श्रद्धालुओं ने दिव्य आरती का दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस किया।

# विदेशी ताकतों को सौंपा देश का डेटा', मोदी सरकार के खिलाफ युवा कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

### फूंका प्रधानमंत्री का पुतला

### उज्जैन में युवा कांग्रेस सचिव रवि यादव के नेतृत्व में प्रदर्शन; ट्रंप और अडानी के इशारे पर सरकार चलाने का लगाया आरोप

उज्जैन/नवप्रदेश। हाल ही में दिल्ली में हुए 'एआई समिट' में देश का डेटा विदेशी ताकतों को सौंपने और पूंजीपतियों व विदेशी नेताओं के दबाव में काम करने का आरोप लगाते हुए, उज्जैन में युवा कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। यह उग्र प्रदर्शन उज्जैन जिला युवा कांग्रेस के सचिव रवि यादव के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

### 'ट्रंप और अडानी के आगे नतमस्तक है सरकार'

पुतला दहन के दौरान युवा कांग्रेस नेताओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली के एआई समिट में भारत का महत्वपूर्ण डेटा विदेशियों को दे दिया गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सात समंदर पार बैठे डोनाल्ड ट्रंप दावा करते हैं कि वे प्रधानमंत्री से जो चाहें करा सकते हैं। युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि वर्तमान में सरकार केवल डोनाल्ड ट्रंप और उद्योगपति गौतम अडानी के आगे नतमस्तक है। सरकार पूरी तरह से इनके कहने पर काम कर रही है, जिसके विरोध में यह पुतला दहन किया गया।

इस विरोध प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के कई वरिष्ठ और क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व युवा कांग्रेस सचिव नरेंद्र मालवीय, प्रदेश महासचिव अंकित यादव (विशु), प्रदेश सचिव अर्जुन नरवले, जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश शर्मा, महिदपुर विधानसभा अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह डोडिया, घट्टिया विधानसभा अध्यक्ष शेर सिंह चौहान और आंबेडकर ब्लॉक अध्यक्ष देव कपूर उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए युवा कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की। इस अवसर पर संगठन के चेतन पाटीदार, मुकुल घुरैया, यशवंत चौहान, राज उदयवाल, नीलेश मेहरा, लवेश परमार, अभिषेक भारद्वाज, स्वर शंकर, विनय मंडलोई, विजय केवड़ा और आदित्य ठाकुर सहित अन्य युवा कांग्रेसजन शामिल रहे।

## भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया, राहुल गाँधी का पुतला दहन

उज्जैन/नवप्रदेश। दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कथित अर्धनग्न प्रदर्शन के विरोध में भारतीय जनता पार्टी एवं भाजयुमो नगर इकाई ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर राहुल गांधी का पुतला दहन किया।

भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और वैश्विक मंच पर मजबूत पहचान बना रहा है। ऐसे समय में कांग्रेस द्वारा किया गया प्रदर्शन देश की छवि को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने कांग्रेस से इस कृत्य के लिए देश से माफी मांगने की मांग की।

निगम सभापति कलावती यादव ने कहा कि एआई समिट में अनेक देशों की भागीदारी भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को दर्शाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब देश को अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल रहा है, तब कांग्रेस इस प्रकार के कृत्यों से राष्ट्र का अपमान कर रही है।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल जाटवा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## सिंहस्थ 2028 के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न, आयुक्त एवं मेला अधिकारी आशीष सिंह ने दिए आवश्यक निर्देश

उज्जैन/नवप्रदेश। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक कलेक्टर सभागृह में आयुक्त एवं मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कुमुठ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत चल रहे अधोसंरचना विकास, सड़कों के निर्माण एवं चौड़ीकरण, घाटों के सुदृढ़ीकरण, पेयजल एवं विद्युत व्यवस्थाओं सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। आयुक्त श्री आशीष सिंह ने सभी विभागों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का धार्मिक आयोजन है, इसलिए सभी कार्यों में उच्च गुणवत्ता और समन्वय सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह ने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में मेला क्षेत्र के मास्टर प्लान, यातायात व्यवस्था, स्वच्छता प्रबंधन एवं सुरक्षा संबंधी तैयारियों पर भी चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अंत में आयुक्त एवं मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने निर्देशित किया कि सभी कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा की जाए, जिससे सिंहस्थ 2028 की तैयारियां समयबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण हो सकें।

## विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न

### अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन हुआ

मंदसौर/नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत मंदसौर जिले में निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन के संबंध में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल ने आयोग द्वारा जारी विभिन्न पत्रों के निर्देशों के क्रम में 21 फरवरी 2026 को अंतिम निर्वाचक नामावली के प्रकाशन की जानकारी दी गई। इस अवसर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/सचिव/प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि आमजन अंतिम प्रकाशित निर्वाचक नामावली का अवलोकन अपने संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालय अथवा अधिकृत स्थानों पर कर सकते हैं। सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अंतिम निर्वाचक नामावली की एक-एक प्रति हार्ड कॉपी तथा एक प्रति सीडी (फोटो रहित) में उपलब्ध कराई गई। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों से आग्रह किया गया कि यदि किसी पात्र नागरिक का नाम सूची में सम्मिलित होने से वंचित रह गया हो तो वे निर्धारित प्रपत्र-6 के माध्यम से आवेदन करें। नाम विलोपन हेतु प्रपत्र-7 तथा प्रविष्टि में संशोधन हेतु प्रपत्र-8 का उपयोग किया जाए। विशेष रूप से ऐसे नागरिक जो 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, उन्हें सूची में सम्मिलित कराने के लिए प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अगले वक्ता डॉ प्रदीप खरे मिश्रा ने प्रतिभागियों से जुड़े और "भारतीय दार्शनिक परंपराओं के विभिन्न चिंतक" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए, उन्होंने कहा कि हमें अपने मूल्यों का वैश्वीकरण करना होगा, अपने विचारों को विश्व तक पहुंचाना होगा, हमारी संस्कृति और मूल्य ही ज्ञान परंपरा है इसे वैश्विक स्तर पर ले जाना है। भारतीय संस्कृति की अवधारणा है कि जब तक आपका मन को गुरु के चरणों का आशीर्वाद नहीं मिला तब तक आप वास्तविक ज्ञान को प्राप्त नहीं कर सकते। भारत के आदिगुरु शंकराचार्य जी ने भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित निर्गुण परंपरा को भक्ति के साथ स्वीकार करने की प्रेरणा प्रदान की, जब तक भक्ति नहीं टैब तक ईश्वर का साक्षात्कार नहीं, कोई ज्ञान ,वैराग्य नहीं होगा। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि धीरे धीरे ही विद्या का अर्जन होगा, चाहे धन का अर्जन करना हो तो वो भी धीरे धीरे ही होगा। मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्य डॉ वाय के मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करने पर कन्या महाविद्यालय को बहुत बधाई, वैश्वीकरण के संदर्भ में ज्ञान परंपरा

# उज्जैन कोर्ट परिसर में पेशी पर आई पत्नी को पति, सास और ननद ने पीटा

### भरण-पोषण के केस की तारीख से लौटते वक्त सुलभ शौचालय के पास हुई मारपीट; माधव नगर थाने में एफआईआर दर्ज

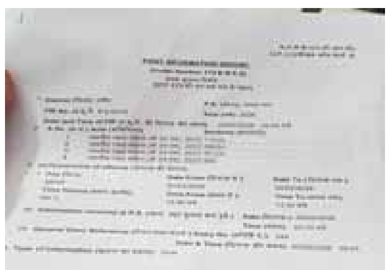

उज्जैन/नवप्रदेश। न्यायालय परिसर में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। भरण-पोषण (मेंटेनेंस) केस की पेशी पर आई शिवानी अकेला के साथ उनके ही पति, सास और ननद ने गाली-गलौज करते हुए, जमकर मारपीट की। घटना के बाद पीड़िता ने अपनी मां के साथ माधव नगर थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

### कोर्ट से निकलते ही किया हमला

माधव नगर थाने में दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार, शिवानी अकेला का अपने पति आशुतोष अकेला के साथ उज्जैन न्यायालय में मेंटेनेंस का केस चल रहा है। शुक्रवार, 20 फरवरी 2026 को वह इसी मामले में तारीख पर कोर्ट गई थी। दोपहर करीब 1:30 बजे जब वह पेशी के बाद वापस बाहर आ रही थी, तभी कोर्ट परिसर में सुलभ शौचालय के पास उसकी सास संगीता अकेला पति सुरेश जय शर्मा, पति आशुतोष और ननद सोनिया मालवीय (सभी निवासी- वृंदावन धाम कॉलोनी, नानाखेड़ा) पीछे से आ गए। आरोप है कि तीनों ने उसे अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया।

### दीवार से भिड़ाया और बाल खींचे

पुलिस शिकायत में शिवानी ने बताया कि जब उसने गालियां देने का विरोध किया, तो सास संगीता ने उसे धक्का देकर दीवार से भिड़ा दिया और थप्पड़-मुक्कों से पीटना शुरू कर दिया। इसके बाद पति आशुतोष ने भी थप्पड़-मुक्कों से मारपीट की और ननद सोनिया ने बाल खींचे। इस अचानक हुए हमले में शिवानी की बायीं कलाई, गले और सिर में चोटें आई हैं। इस पूरी घटना को कोर्ट परिसर में मौजूद अन्य लोगों ने भी देखा। मारपीट के बाद शिवानी किसी तरह वहां से भागकर बाहर आई और अपनी मां लता परमार को फोन कर मौके पर बुलाया। इसके बाद दोनों माधव नगर थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शुक्रवार रात 8:43 बजे पति आशुतोष, सास संगीता और ननद सोनिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 115(2), 296(इ), 351(3) और 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## मोदी सेना ने किशोरलाल पांचाल को बड़नगर नगर अध्यक्ष नियुक्त किया

उज्जैन/नवप्रदेश। मोदी सेना के राष्ट्रीय नेता गोविन्द दग्दी द्वारा संगठन विस्तार के तहत महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है। उनके निर्देशानुसार मोदी जी सेना में श्री किशोरलाल पांचाल को नगर अध्यक्ष ड्ड बड़नगर, जिला उज्जैन पद पर मनोनीत किया गया है। श्री किशोरलाल पांचाल ग्राम भैंसलाकलां, पीरझालर, बड़नगर रोड, जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश) के निवासी हैं। संगठन ने उनके सक्रिय सामाजिक योगदान एवं पार्टी के प्रति निष्ठा को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि वे संगठन के पास सौंपे गए सभी दायित्वों का पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा बड़नगर क्षेत्र में संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। इस अवसर पर श्री माणकजी पांचाल (अध्यक्ष), नाना लालजी शर्मा (बड़नगर) सहित अभिषेक, संदीप, आकाश, विनोद, अरुण, सूरज पांचाल, ईश्वर एवं सुखराजी चौहान ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। पार्टी पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि श्री पांचाल के नेतृत्व में बड़नगर क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलेगी।

# AI शिखर सम्मेलन: सुविधा का वरदान या वजूद का संकट?

**क्या** आपने कभी सोचा है कि जिस रफ्तार से हम तकनीक की उंगलियां थाम रहे हैं, कहीं वह हमें हमारे ही वजूद से दूर तो नहीं ले जा रही? हाल ही में संपन्न हुई 'ग्लोबल AI समिट' महज मशीनों और डेटा का मेला नहीं थी, बल्कि यह उस युग की घोषणा थी जहाँ 'बुद्धि' अब केवल इंसानी मस्तिष्क की बपौती नहीं रही। आज हम एक ऐसे चौराहे पर खड़े हैं जहाँ हमारे हाथ में स्मार्टफोन नहीं, बल्कि एक कृत्रिम मस्तिष्क है जो हमारे लिए सपने बुन रहा है, कविताएं लिख रहा है और यहाँ तक कि हमारे फैसले भी ले रहा है। यह लेख उस अदृश्य बदलाव की गहराई को नापता है, जहाँ सुविधा और संकट के बीच की लकीर धुंधली होती जा रही है। का वरदान या वजूद का संकट?

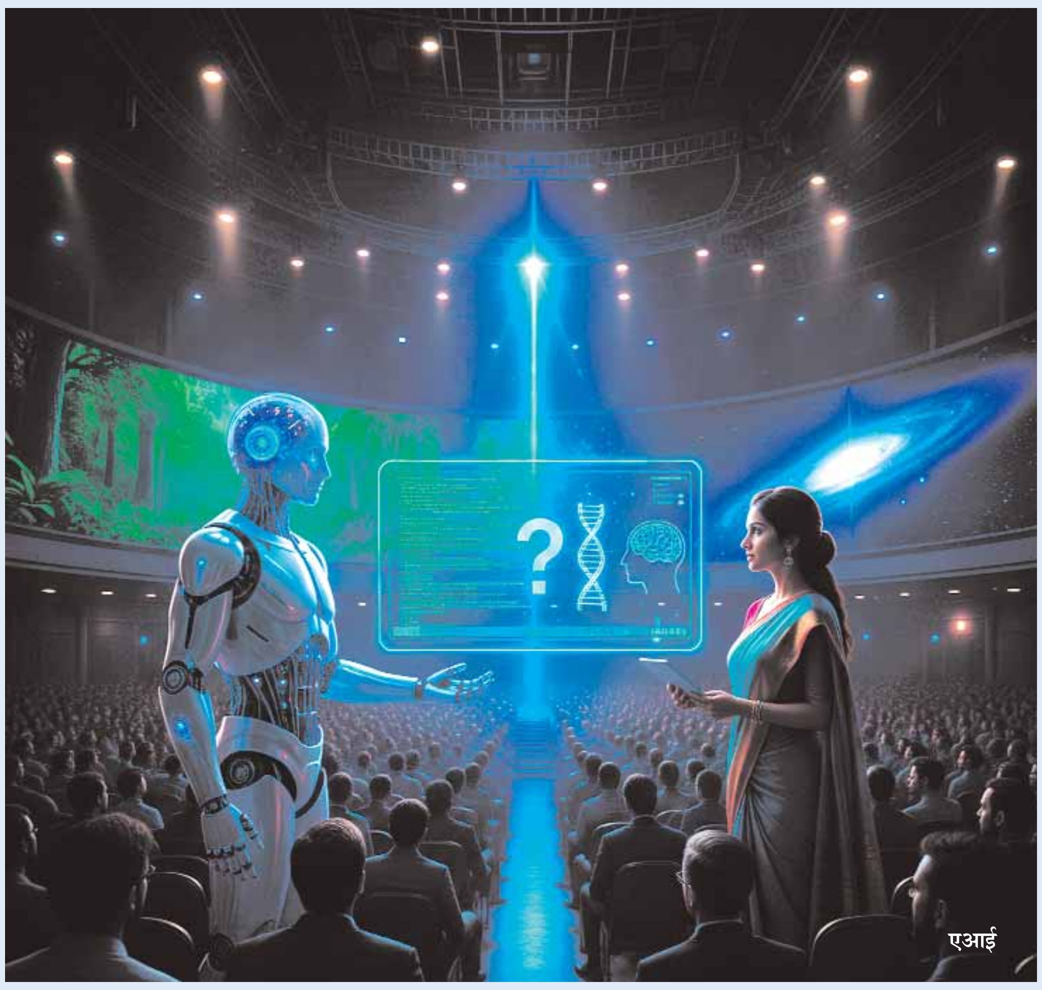
एआई

## नियंत्रण की कमान हमारे हाथ में

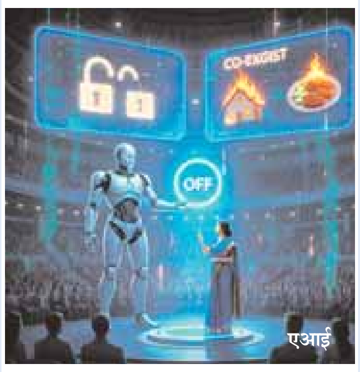

एआई

अंततः AI एक ऐसा औजार है जिसे हमने खुद बनाया है। यह आग की तरह है—जो खाना भी पका सकती है और घर भी जला सकती है। समिट का निष्कर्ष यही रहा कि हमें ‹ढ्ढ को 'कंट्रोल' करने के लिए नहीं, बल्कि उसके साथ 'को-एग्जिस्ट' करने के लिए नियम बनाने होंगे। भविष्य की चाबी मशीनों के पास नहीं, बल्कि उस इंसान के पास है जो यह जानता है कि उसे कब और कहाँ 'ऑफ' का बटन दबाना है।

**आर्थिक मोर्चे पर, AI समिट ने एक नई चेतावनी दी है। यह तकनीक अमीर देशों और गरीब देशों के बीच के अंतर को और बढ़ा सकती है। जिन देशों के पास डेटा और कंप्यूटिंग पावर है, वे दुनिया पर राज करेंगे।**

## डिजिटल क्षितिज पर नई दस्तक

हालिया 'ग्लोबल AI समिट' केवल सिलिकॉन चिप्स और कोडिंग का प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि यह भविष्य के उस आईने की तरह थी जिसमें इंसान अपनी ही परछाई को 'प्रोसेसर' के रूप में देख रहा है। आज जब हम आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (AI) की बात करते हैं, तो मुद्दा सिर्फ सुविधा का नहीं रह गया है, बल्कि मुद्दा यह है कि क्या हम अपनी सोचने-समझने की शक्ति किसी एल्गोरिदम के हाथ गिरवी रख रहे हैं? यह समिट इसी सवाल के इर्द-गिर्द घूमती रही कि मशीनी क्रांति के इस दौर में 'इंसानियत' का क्या स्थान होगा।

## रचनात्मकता बनाम ऑटोमेशन

समिट के मुख्य सत्र में इस बात पर तीखी बहस हुई कि क्या AI कला और साहित्य जैसी मौलिक चीजों की रूह को छू सकता है। जहाँ एक तरफएआई-जेनरेटेड पेंटिंग्स और लेखों ने सबको चौंकाया, वहीं विशेषज्ञों ने आगाह किया कि हम 'कॉपी-पेस्ट' संस्कृति की ओर बढ़ रहे हैं। जब मशीनें हमारे लिए कविताएँ लिखेंगी और फिल्में बनाएंगी, तो क्या मानवीय संवेदनाओं का अकाल नहीं पड़ जाएगा? चुनौती यह नहीं है कि मशीनें इंसान जैसा सोचेंगी, बल्कि बड़ी चुनौती यह है कि इंसान मशीनों की तरह सोचना शुरू न कर दे।

## डीपफेक और 'सच' का संकट

मौजूदा समय का सबसे बड़ा सिरदर्द 'डीपफेक' और 'सिंथेटिक मीडिया' बनकर उभरा है। समिट में पेश किए गए आंकड़े बताते हैं कि इंटरनेट पर मौजूद 40% से अधिक वीडियो और ऑडियो सामग्री के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। अब आँखों देखा भी सच नहीं रहा। विशेषज्ञों ने इसे 'ट्रुथ डिके' (सत्य का क्षय) का नाम दिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या हमारे पास ऐसी तकनीक है जो झूठ को पकड़ने के लिए सच का साथ दे सके? इस डिजिटल युद्ध में नैतिकता ही हमारा सबसे बड़ा हथियार होगी।

## सुनो भाई उधो : एप-स्टीम के रहसलीला

परमानन्द वर्मा

अहा काला का बताबे,ये एपस्टिम के रहसलीला बताये नहीं सौहे देखेच के लइक हे। गजबेच सुंदर हे। सोशल मीडिया तो चौबीसों घंटा अपन स्क्रीन म देखावत हे। ओला लइका, सियान अउ जवान सबो आँखी फार फार के देखत हें। कोनो कोनो पूछत हें एमा का देखावत हे जी तब जौन देखे हें तेन मन बतावत हें जाके देख तब देखत रही जाबे फेर कोंनो फेर के स ही बात ला नइ बतावत है के ओमा देश विदेश के बड़े बड़े नेता अउ सूरमा मन के रहसलीला है। अब ओ रहसलीला काये, कइसन ढंग के हे जेला लेके संसार भर म तहलका मचे हे अउ ओ कलाकार मन के परा न छटके ले धरत हे, सब के होश् गायब होगे हे। इकरे ऊपर पढ़व ये छत्तीसगढ़ी आलेख ,,, एप स्टीम के रहस लीला,,,। 'देखे नहीं, सुने नहीं, समझे नहीं, जाने नहीं' ये अइसे 'कोड वर्ड' शब्द हे जेला इशारा-इशारा मं केहे जाथे, सुनाय अउ समझाय जाथे। समझइया मन समझ जथे अउ भयरा, अंधरा, कोंदा अउ मंद बुद्धि वाला मन ला कतको कोचक-कोचक के, हुदर-हुदर के सुना, बता ले ओमन काहे-काहे काहत, चेंधत अउ पूछत रहि जथे। अतका 'टाइम' मं पूरा खेल खतम हो जथे, आगी लगे घर हा जल के राख अउ खाख हो जथे। मुड़ी-पूछी ककरो कांही समझ नइ आवत होही, हवा के रुख ला देख के पंछी मन घला जान जथे के मौसम बदलइया हे इही पाके अपन ठौर-ठिकाना ला घला बदले ले धर लेथे। फेर मनखे जात अइसे कुभारज और मूरख ते चेंधते अउ सोचते रहि जथे, कुछु होवइया हे का, होगे हे का? जाने बर तो अब सब जानते हे, बहुत देरी मं जानिस के कुछ जबर बात होगे हे देश मं फेर ककरो बक्का नइ खुलत हे, जना-मना ओकर मन के टोंटा ला कोनो भूत-परेत अउ मसान मन गला ला चपक दे हे? कोनो बइगा, गुनिया मन घला एकर मन के भूत, परेत ला उतार सकत हे? जउने हाथ लगाही तुन ला ओ भूत-परेत धर लिही, मसक दिही, चपक दिही, मरे बिहान हो जही। कोनो-कोनो गोठियावत हे, सपट के सुनत हे,ओधहा मं दीवार मं, खिड़की मेर कान लगाके। अरे भइया जान दे जइसन नइ सुने, समझे, सोचे रेहेन तइसन चरित्तर होगे हे देश मं, नाक कटाय के लइक बात होगे हे। पूछत रिहिसे तेनहा चेंधत ओला जउन घटना के जानकारी डर्रावत-डर्रावत, कांपत, हफरत बतावत रिहिसे, तिखार के पूछथे- अरे का बात होगे हे देश मं तेला बने फेर के बता ना? ओहर कहिथे- मंय 'बीबीसी लन्दन बुलेटिन के न्यूज चैनल वाले नो हो, जउन बम्फाड़ कोनो खबर ला खोल के बता दौं, मंय 'आल इंडिया रेडियो' के संवाददाता अपन हौं खबर ला कांट-छांट के बताथौं। इंडिया के अइसने रिवाज हे। सपट के पूछत रिहिसे तउन हा ओ खबरची ला कहिथे- काबर मुसुवा ला जइसे बिलई हा मुरकेट देथे, चपक देथे तइसे झझके असन खबर ला बतावत हवस जी, बने बता ना, का बात होगे हे, कहूं भूकंप आगे हे का, कोनो बड़े देश के नेता के अपहरण होगे हे, सत्ता परिवर्तन होगे हे, उलट-पुलट होगे हे, ककरो चीरहरण होगे हे, द्रौपदी असन, ते रूस, युक्रेन ,ईरान, भारत, चीन, अफगानिस्तान, बंगलादेश ला डोनाल्ड टंप हा रावन कस धमकावत हे। जउन देश ला देखबे तिहां के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ला जंगी बेड़ा भेजथौं कइके धमकी देवत रहिथे। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से ट्रंप के तारी नइ पटत हे। कभू हां, कभू नहीं के बात ला सुन के ट्रंप बगियागे हे मोदी ऊपर। राजा संग रेहे तब खाय बीरो पान अउ नंगरा संग रइबे तब कटाय दुनो कान, कस हालत मोदी के होगे हे। बड़े मनखे के बड़े-बड़े चाल होथे। कइसनो करके फंसाये ले धरथे अइसने कस चाल चलके मोदी ला फंसा तो नइ दे हे? का एपस्टीन कहिथे तइसन जाल मं फंसा के अनफभक फोटो इंटरनेट मं देखावत हे सच का हे, गलत का हे तेला राम जानय फेर देश मं तो आगी लग गे हे। सब हांसत हे, काहत हे- अतेक बड़े नेता अउ अइसन चरित्तर। मोदी खामोश हे सत्ताधारी दल के नेता मन के मुंह मं ताला ठेसा गे हे। विपक्ष के नेता अउ जनता मन तो ताली बजा-बजा के भजन गावत हे। अब दूध के दूध अउ पानी के पानी तब होही जब मोदी हा संसद मं सफाई दिही। लगथे पूरा मामला वइसने चक्रव्यूह असन हे। जइसन महाभारत मं अभिमन्यु ला इही चक्रव्यूह मं फंसाके कौरव मन मारे रिहिन हे। मोदी जब ट्रंप के आघू मन घुटना नइ टेकिस तब ओला सबक सिखाय खातिर इही चक्रव्यूह ला अपनाइस। शिकारी मन बहुत चुस्त, चालाक अउ हुशियार होथे, ओकर मन के निशाना फरक नइ खाय, एक तीर छोड़े मं शिकार ओकर पांव तरी आके गिर जथे। कवि चंद वरदाई के पंक्ति सुरता आथे ग -

***चार बांस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमान,***
***ता ऊपर सुल्तान हे, मत चूको चौहान।।***

## व्यंग्य : सारे ही राजा हरिश्चंद्र

एआई

**डॉ किशोर अग्रवाल**

*जिसकी चलती है उसी की छतरी तनती है और इतनी तनती है कि आसमां तक दिखाई नहीं देता सिर्फछतरी ही दिखती है। गजब की बंदर बांट है भाई, सरकार व सरकार के नुमाइंदे आम लोगों की जवाबदेही से इतनी दूर बैठाए जाते हैं कि न लोग उन्हें देख पाते हैं न उन्हे ही कुछ दिखता है, यही आदर्श व्यवस्था है। अब भी इस देश में कहने को प्रजातंत्र की दुहाई देकर जनता की जवाबदार सरकारें बनती हैं पर हकीकत में जमीन पर नंगे पांव चलती जनता को नीचे ही छोड़कर बंदर सी उछाल भरकर जनप्रतिनिधि पेड़ों पर बंदर बन कर बैठ जाते हैं। भालुओं की तरह सब कुछ लीलते अफसर जनता की पहुंच से दूर हैं, ऊपर हैं बहुत ऊपर। साधारण व्यक्ति मिलना तो दूर झलक तक को तरसता है। मंत्री तो उसके लिये उमराव जान की अदा है। घोटालों और आरोपों से घिरे अफसरों का ऐसा रसूख की मानों सरकार में उनके अलावा कोई अफसर ही नहीं है। वही दागदार चेहरे जो जांचों से घिरे हैं, जिनके विरुद्ध चालान तक न्यायालयों में लंबित है, घूम फिर कर वे ही सरकार में ,निगमों व आयोगों में जिम्मेदारियों के पद संभाले दिखते हैं। दलदल में धंसे अफसर ही बदस्तूर प्रमोशन पा रहे हैं, क्योंकि पदोन्नति पद व गुण की नहीं हो रही पदोन्नति जुगाड़ुओं की हो रही है, जो जांच की आंच बुझाकर पदोन्नत हो रहे हैं। जैसे साहित्य समाज का दर्पण होता है अफसर भी दर्पण ही है कि जनता ने कैसी सरकार बनाई है और सरकार ने कैसे अफसर तैनात किए हैं। पर कोई दर्पण देखना नहीं चाहता क्योंकि वह अपनी वही सूरत देखता है जो अफसर दिखा रहे हैं। व्यापारी व बनिया को कोसने वाली जनता को क्या यह पता नहीं होता कि धूर्त अफसर कैसे बहती बयार भांपकर हर सरकार में अपनी गोटियां बिठा लेते हैं। जो जितना बड़ा धूर्त उसे उतना बड़ा पद। कोई भी सरकार हो अफसर उनसे अनुकूलता बना ही लेते हैं। जैसे बैटरी के सेल की स्टैंडर्ड साइज होती है वह हर उपकरण में फिट बैठता है, जैसे हर बल्ब होल्डर में फिट बैठता है वैसे ही चतुर अफसर हर सरकार में फिट बैठता है। सूप पीने के लिये बाऊल में वैसे ही मैच का चम्मच चाहिये, सरकार अपने लिये मुनासिब अफसर की तलाश में रहती है और ये धन के लिये जान पर खेल जाने से भी परहेज नही करते। तभी कभी कभी अफसर नपता है मंत्री कभी नही। पुराने अफसरों से नये अफसर सीख रहे हैं घोटालों के सबक। हर तरह का व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध है बस आंख खोलकर देखना भर है। चौतरफा कई प्रकार के घोटाले हैं पहला- पूरे हो चुके घोटाले, दूसरा - पनप रहे घोटाले जिन्हें जांच एवं शिकायतों का इंतजार है, तीसरे- शैशवावस्था के घोटाले जिनमें अभी खाद पानी पड़ रहा है जो कभी पूर्ण विकसित होकर पहले के घोटालों से बढ़कर नाम कमाएंगे और कुछ ऐसे घोटाले जो अभी अफसर व जनप्रतिनिधियों की गोद में बैठे हुए अपने शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। जिन्हें जांच व मानक देखने की जिम्मेदारी दी गई है वे कितने उत्कोच के बाद धुंधला देखने लगेंगे यह घोटालेबाजों को खूब पता है। किसकी आंखों में रुपए से, जमीन के प्लाट से, उनके बच्चों को नौकरी दिलाने या विदेश में पढ़ाने से जाला पड़ेगा ये घोटालेबाज उनकी खूब-खोज खबर रखते हैं। कुछ शौकीन लोग तो विदेश भ्रमण, शबाब और कबाब से ही सूरदास बन जाते हैं। मजा तो यह है कि दागी अफसर ही दूसरे दागी की जांच कर रहे हैं। रमऊराम अपनी पांच डिसमिल जमीन बेचकर अपनी बेटी की शादी का सपना संजोए हुए साठ बरस का हो चला है पर उसकी खेती की जमीन कब शहरी बन गई, कब आमोद प्रमोद के क्षेत्र में वर्गीकृत हो गई, उसे नहीं पता। अब कोई उसे खरीदता नहीं क्योंकि अब ना वहां खेती हो सकती है ना मकान बन सकता है। सेठों को सब पता है, अफसर को सब पता है। वह पहले जमीन अपने नाम से खरीदते हैं, दान में लेते हैं, वायदों पर लिखा लेते हैं, फिर वहां बसाहटों की स्कीमें बनती हैं। वातावरण या पर्यावरण के हिसाब से नहीं बल्कि रसूखदारों के हिसाब से। नक्शा ऐसा बनता है कि गरीब लुटें और तिकड़मियों के घर भरते जाएं। रसूखदार पहुंच वाले लोगों की जमीनों के बहुआयामी उपयोग और सीधे-साधों की जमीनों पर सड़क, आमोद प्रमोद, घास, ग्रीनबेल्ट इत्यादि चिन्हित हो जाते हैं। अब रमऊराम अब अपनी जमीन ना बेच सकता है, न जी सकता है और न ही मर सकता है। दलाल अफसर व नेताओं के लिए जमीनें दिलाते हैं जिसमें उनके बड़े हिस्से होते हैं। योजना जब जनता में आती है तब ही पता चलती है, बाजार बिक जाता है तब विज्ञापन निकलता है। पर ये योजनाएं जहां बनती हैं उसकी पटकथा लिखने वालों से मिलकर ये जमीनें पहले खरीद ली जाती है। फिर योजना बनती है। आपके बने हुए घर के ऊपर से नक्शे में सड़क निकल जाती है अब आप अपने घर की मरम्मत तक के लिए जूते घिसते नजर आते हैं। जो जांच करेंगे जिन्हें सरकार कभी जांचें सौंपेगी उन्हें भी पहले से ही पहचान कर ये लोग सस्ती स्कीमों में उन्हें भी लाभ पहुंचा कर चुप कराना जानते हैं। पत्रकारों को भी रियायती भूखंड व अन्य सुविधाएं देकर चुप करने के प्रयास होते रहते हैं। विदेशों में सेमिनार करने, पुरस्कार पाने के भूखों के लिए ऐसे टूर प्रायोजित कर दिए जाते हैं। इन्हें टीवी अखबार पर खूब कवरेज दिया जाता है। इसलिए जन सरोकारों को ताक पर रखकर सरकार मौन रहती है जांच कुनिंदा मौन रहते हैं। टीवी अखबार मौन रहते है। कोई किसी की गलती नहीं पाता, दरअसल गलती है ही कहां? एक ही हमाम में नंगे होकर सब नहाए हुए हैं, सबके ही मुंह एक जैसे उजले हैं। कौन किसकी जांच करें, सारे ही राजा हरिश्चंद्र हैं।*

**मनमोहक करने वाला मां टुटला भवानी वॉटरफॉल**

## ब्रेन फंक्शन के लिए ओमेगा-3 रामबाण

**दि**माग को हेल्दी रखने के लिए ओमेगा-3 एक आवश्यक फैटी एसिड है, जो आपके कॉग्निटिव फंक्शन को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। इसे आप कुछ मछली, खाने लायक बीज, अखरोट, प्लांट ऑयल और फोर्टिफाइड फूड्स खाकर प्राप्त कर सकते हैं। जो लोग किसी कारणवश डाइट में इन फूड्स को शामिल नहीं कर सकते हैं, उनके लिए इसका सप्लीमेंट भी एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बता दें कि कॉग्निटिव फंक्शन आपकी ब्रेन हेल्थ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। साइंस डायरेक्ट के मुताबिक, यह शरीर की वो क्षमता है, जिसे इस्तेमाल करके इंसानी दिमाग किसी चीज या जानकारी को समझता है, उस पर प्रतिक्रिया देता है, उस पर आधारित निर्णय लेता है या अनुभव बनाता है। इसमें आपकी याददाश्त, ध्यान लगाने और सीखने की क्षमता भी आती है। इन कामों के लिए ओमेगा-3 के लेवल का संतुलित रहना जरूरी है।

**ओमेगा-3 से भरपूर फूड्स**

ब्रेन फंक्शन को बेहतर बनाने के लिए निम्नलिखित फूड्स से ओमेगा-3 फैटी एसिड प्राप्त कर सकते हैं।

**1. मछली**

मछली के अंदर प्रोटीन और ओमेगा-3 भरपूर मात्रा में होता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, यह न्यूट्रिएंट आपके दिल के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होता है। AHA कहता है कि हेरिंग, सैल्मन, एंकोवीज, मैकरेल (बांगड़ा) और सार्डिन आदि मछली खाकर इस पोषक तत्व को प्राप्त किया जा सकता है।

**2. सीड्स**

कई सारे खाने लायक बीज भी ओमेगा-3 देते हैं। NIH के मुताबिक, अलसी के बीज और चिया सीड्स इस न्यूट्रिएंट का अच्छा सोर्स साबित होते हैं। इन बीजों के अंदर प्रोटीन, फाइबर और अन्य विटामिन-मिनरल भी मिलते हैं, जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भूमिका निभाते हैं।

**3. अखरोट**

NCBI पर मौजूद शोध के शोधकर्ताओं ने अखरोट को दिमागी स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना है। यह नट ओमेगा-3 से भरपूर है, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इंफ्लेमेशन को कम करता है। शोध बताता है कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इंफ्लेमेशन से एजिंग प्रोसेस तेज होता है, कॉग्निटिव फंक्शन गिरने लगता ह।

**4. प्लांट ऑयल**

केवल सीड्स ही ओमेगा-3 का लेवल बेहतर बनाने में मदद नहीं करते हैं, बल्कि NIH के अनुसार, प्लांट बेस्ड ऑयल के सेवन से भी आप इस फैटी एसिड को प्राप्त कर सकते हैं। फ्लैक्स सीड ऑयल, सोयाबीन ऑयल और कैनोला ऑयल जैसे प्लांट ऑयल के अंदर इस न्यूट्रिएंट की मौजूदगी होती है।

**5. फोर्टिफाइड फूड**

आप कुछ फोर्टिफाइड फूड्स खाकर भी इस पोषक तत्व को बढ़ा सकते हैं। NIH के अनुसार, कुछ ब्रांड्स के अंडे, योगर्ट, जूस, दूध, इंफैंट फॉर्मूला और सोया बेवरेजेस ओमेगा-3 से फोर्टिफाइड होते हैं। इनके अंदर आर्टिफिशियल तरीके से ओमेगा-3 डाला जाता है। आप इन फूड्स के पैकेट के ऊपर देखकर पता कर सकते हैं कि यह ओमेगा-3 से फोर्टिफाइड है या नहीं।

## राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

**मेष:** आज का दिन आपके लिये विपरीत फलदायी रहेगा कोई भी बड़ा कार्य यथा सम्भव आज टालना ही बेहतर रहेगा अथवा ज्यादा जरूरी होने पर किसी अनुभवी के मार्गदर्शन में ही करें।

**वृष:** आज का दिन सार्वजनिक क्षेत्र से सम्मान दिलाएगा दिन के आरंभ में किसीकी बेतुकी बात को लेकर क्रोध में रहेगें थोड़ा बहुत गुस्सा दिन भर बना ही रहेगा।

**मिथुन:** आज का दिन भी सफलता वाला है लेकिन अपनी वाणी एवं व्यवहार को संतुलित रखना जरूरी है कम लाभ से संतोष करने से ही दिन का फायदा उठाया जा सकता है।

**कर्क:** आज का दिन भागदौड़ वाला रहेगा दैनिक कार्यो की भागमभाग में शरीर की अवहेलना बाद में भारी पड़ेगी।

**सिंह:** आज आपके अंदर तेज की कमी रहेगी मन मे कुछ ना कुछ भय बना रहेगा आस पास का वातावरण भी विपरीत रहेगा छोटी मोटी बातो अथवा हास्य परिहास में भी कलह होने की संभावना है।

**कन्या:** आज का दिन प्रत्येक कार्यो में विजय दिलाने वाला रहेगा लेकिन इसके लिये समय का सदुपयोग करना पड़ेगा परिवार में भाई बंधुओ से ईर्ष्या युक्त संबंध रहेंगे अन्य लोगो आपकी प्रगति देख वैरभाव रखेंगे।

**तुला:** आज दिन के आरंभ में आप जिस कार्य को लेकर उत्साहित रहेंगे वह टलते टलते मध्यान बाद ही पूर्ण हो सकेगा। किसी भी कार्य में आज तुरंत निर्णय ले अन्यथा लाभ के अवसर का उचित फल नही मिलेगा।

**वृश्चिक:** आज का दिन भी आपके अनुकूल रहेगा व्यवहार में नरमी रहने से आज किसी से भी आसानी से कार्य निकाल लेंगे कार्य क्षेत्र पर आज लाभ के कई सौदे मिलेंगे।

**धनु:** आज का दिन अशुभ फलदायी रहेगा आज किसी ना किसी कारण से मानसिक संताप होगा। पूर्व में की किसी गलती का पश्चाताप होगा लेकिन विपरीत परिस्थिति के कारण सुधार भी नही कर सकेंगे।

**मकर:** आज के दिन आर्थिक उन्नति के योग बन रहे है लेकिन साथ ही सामाजिक क्षेत्र पर बदनामी अथवा किसी मामूली बात का बतंगड़ बनने से सम्मान हानि की भी सम्भवना है।

**कुंभ:** आज आपका मन संतोषी रहने पर भी अन्य लोगो से स्वयं की तुलना करने पर बेचैन रहेगा। कार्य व्यवसाय से भी कोई सकारात्मक परिणाम नही मिलेगा। धन की आमद कम और खर्च अधिक रहने के कारण आर्थिक संतुलन गड़बड़ायेगा।

**मीन:** आज का दिन शुभ फलदायक रहने पर भी आप इसका पूर्ण लाभ नही उठा पाएंगे। आपका स्वभाव अन्य लोगो के प्रति लापरवाह और रूखा रहेगा केवल स्वार्थ पूर्ति हेतु ही व्यवहार रखेंगे।

## QUIZ TIME

1) कौन-सी फिल्म अंतरिक्ष में शूट की जाने वाली पहली फीचर फिल्म है?

2) आर्कटिक परिषद किस घोषणा के माध्यम से बनाई गई थी?

3) विलिंगडन आइलैंड, भारत के किस शहर में स्थित है?

4) अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस हर साल कब मनाया जाता है?

5) धनौरी वेटलैंड, जो खबरों में देखा गया था, किस राज्य में स्थित है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) द चैलेंज (2) ओटावा घोषणा (3) कोच्चि (4) 26 जनवरी (5) उत्तर प्रदेश

## पहेली

### शब्द सामर्थ्य -323

**बाएं से दाएं**
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. बिजली, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग से गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

**ऊपर से नीचे**
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीड़ा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीबी, एक प्रत्यय।

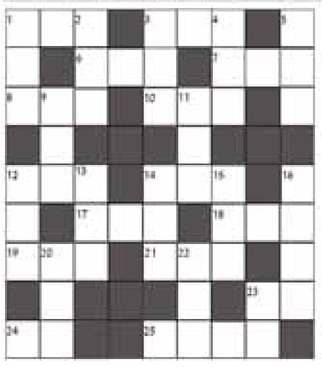

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 322 का हल

# ‘ट्रांजैक्शन नहीं, ट्रांसफॉर्मेशन बने जीवन का लक्ष्य’: राज्यपाल रमेन डेका

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** राज्यपाल रमेन डेका ने आज अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में ‘ट्रांसफॉर्मिंग यूनिवर्सिटीज फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट’ विषय पर आयोजित कुलपतियों के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन में देश और प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुल 42 कुलपतियों और पूर्व कुलपतियों ने भाग लिया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से जीवन में सकारात्मकता बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि अपने संपूर्ण जीवन में कोई एक ऐसा कार्य करें कि जिसमें केवल ट्रांजैक्शन नहीं, बल्कि ट्रांसफॉर्मेशन का भाव हो।

**विवि विचार, नवाचार और राष्ट्र निर्माण का केंद्र**

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं रहे बल्कि विचार, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के केंद्र हैं। कुलपति शैक्षणिक नेतृत्व के संवाहक हैं, जिनके निर्णय आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। उन्होंने शैक्षणिक सुशासन, गुणवत्ता आश्वासन, शोध एवं नवाचार तथा डिजिटल परिवर्तन पर विशेष बल दिया।

### त्रैमासिक पत्रिका कन्हार का विमोचन

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका कन्हार का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के कुलपति आचार्य एडीएन वाजपेयी, महापौर पूजा विधानी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति गिरीश चंद्र त्रिपाठी, कुल सचिव तारणीश गौतम सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति मौजूद थे।

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति समग्र विकास की अवधारणा

राज्यपाल श्री डेका ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था अत्यंत समृद्ध और मूल्यनिष्ठ थी, किंतु औपनिवेशिक काल में लॉर्ड मैकाले की नीतियों के कारण इसकी दिशा परिवर्तित हुई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय मूल्यों और समग्र विकास की अवधारणा को पुनर्स्थापित करने का सशक्त प्रयास है। इसकी विशेषताओं को समाज तक पहुँचाना तथा प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

**ड्रॉपआउट की समस्या सबसे बड़ी चुनौती**

उन्होंने कहा कि समग्र विकास की दिशा में स्कूल कॉलेजों में ड्रॉपआउट की समस्या सबसे बड़ी चुनौती है। जब तक विद्यार्थी शिक्षा से निरंतर जुड़े नहीं रहेंगे, तब तक किसी भी नीति का उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सकता। डिजिटल युग का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ऑनलाइन संसाधन और डेटा विश्लेषण उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण उपकरण हैं। इनका उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए, साथ ही मानवीय मूल्यों को भी सुदृढ़ बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने शोध और नवाचार को विश्वविद्यालयों की आत्मा बताते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान से ही आत्मनिर्भर भारत की नींव सशक्त होगी।

## न्यूज गैलरी

### चौबे को डॉक्टर की उपाधि

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** डी पी विप्र कालेज के इलेक्ट्रॉनिक विभाग के विभागाध्यक्ष निधीश चौबे को इलेक्ट्रॉनिक विषय में कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर से डाक्टरेट की उपाधि मिली। प्रोफेसर निधीश चौबे सक्ति कॉलेज के पूर्व प्राध्यापक स्वर्गीय प्रो. श्यामाचरण चौबे के सुपुत्र हैं। उनको उपाधि मिलने पर कॉलेज के चेयरमेन अनुराग शुक्ला प्रिंसिपल, अंजू शुक्ला, डॉक्टर मनीष तिवारी, डॉ. एम .एस.तंबोली, अविनाश सेठी, ए श्रीराम सहित कॉलेज परिवार ने बधाई दी है।

### नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आज

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** स्वामी सहजानंद सरस्वती के जन्म जयंती के अवसर पर भूमिहार ब्राह्मण समाज महमंद ने कल 22 फरवरी दिन रविवार को 12 बजे से शहर के प्रतिष्ठित डॉ. ललित माखीजा एवं उनकी टीम के द्वारा जनहित में एक विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। लोगों से नि: शुल्क नेत्र शिविर का लाभ लेने अपील की है। शिविर की मुख्य विशेषताओं में फ्री आई चेकअप, मोतियाबिंद की जांच, चश्मे के नंबर की सटीक जांच, विशेषज्ञों द्वारा उचित परामर्श आंखों की देखभाल के लिए उचित सलाह दी जाएगी।

### एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफ़र्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 18030/18029 शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा 21 से 27 फरवरी 2026 तक शालीमार से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में उपलब्ध रहेगी। इसी प्रकार 23 से 28 फरवरी व 1 मार्च 2026 को एलटीटी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18029 एलटीटी - शालीमार एक्सप्रेस में उपलब्ध रहेगी।

### व्यास नगर-काशी सेक्शन के मध्य सिग्नलिंग कार्य ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के व्यास नगर-काशी सेक्शन के मध्य ऑटोमेटिक सिग्नलिंग का कार्य किया जाएगा जिसके फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा । 25 फरवरी को गोंदिया से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया चुनार-प्रयागराज-फाफा मऊ- जंघई-जौनपुर होकर बरौनी जायेगी । 25 फरवरी को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18201 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज-माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़- सुल्तानपुर-अयोध्या धाम-गोरखपुर होकर नौतनवा जायेगी।

### बिलासपुर उत्तर छत्तीसगढ़ का प्रमुख लॉजिस्टिक्स केंद्र बनकर उभर रहा

# अर्बन चैलेंज फंड की स्वीकृति शहरी विकास की दिशा में बढ़ा रही कदम: तोखन साहू

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** भारत आज एक ऐतिहासिक शहरी परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 1 लाख करोड़ के अर्बन चैलेंज फंड को स्वीकृति देना इस बात का संकेत है कि देश अब पारंपरिक अनुदान-आधारित वित्तपोषण मॉडल से आगे बढ़कर बाज़ार-संलग्न और सुधार-आधारित शहरी विकास की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। छत्तीसगढ़ के लिए यह मात्र एक नई योजना नहीं है, बल्कि अपने शहरी केंद्रों को पुनर्परिभाषित करने का अवसर है—भिलाई और कोरबा के औद्योगिक क्षेत्रों से लेकर रतनपुर और सिरपुर की सांस्कृतिक विरासत तक—ताकि वे रोजगार सृजन, निवेश आकर्षण और बेहतर जीवन गुणवत्ता प्रदान करने वाले सशक्त आर्थिक इंजन बन सकें। अर्बन चैलेंज फंड स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और शहरी साफ-सफाई में निवेश को और गति देगा—वे क्षेत्र जहाँ छत्तीसगढ़ पहले ही उल्लेखनीय नेतृत्व प्रदर्शित कर चुका है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 पुरस्कारों में बिलासपुर को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त हुआ, साथ ही कुम्हारी और बिल्हा को भी सम्मानित किया गया। रायपुर को राज्य स्तर पर मंत्री पुरस्कार मिला।

### सुधार ही नई आधारशिला

इतनी बड़ी पूंजी तक पहुँच सख्त शर्तों के साथ आती है। ष्टस्न परिणाम-आधारित है और परियोजनाएँ पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया से चयनित होंगी। छत्तीसगढ़ को अपने शहरी निकायों की वित्तीय साख मजबूत कर उन्हें ‘बैंकेबल एसेट क्लास’ के रूप में स्थापित करना होगा।

### विकसित छत्तीसगढ़ के लिए संतुलित विकास

छत्तीसगढ़ का शहरी परिवर्तन विकासोन्मुखी होने के साथ-साथ क्षेत्रीय रूप से संतुलित भी होना चाहिए। बिलासपुर और बस्तर जैसे क्षेत्रों का विकास समग्र और समावेशी प्रगति का रणनीतिक रोडमैप बन सकता है। बिलासपुर उत्तर छत्तीसगढ़ का प्रमुख प्रशासनिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य और लॉजिस्टिक्स केंद्र बनकर उभर रहा है। शहरी परिवहन, जल आपूर्ति, स्वच्छता और आर्थिक अवसंरचना में लक्षित निवेश इसे क्षेत्रीय विकास इंजन के रूप में सशक्त कर सकता है।सिटीज 2.0 के तहत बिलासपुर सौलिड वेस्ट मैनेजमैंट की दिशा में एक मॉडल बन कर उभर सकता है।

### टियर-टू और टियर-थ्री शहरों के लिए जीवनरेखा

छत्तीसगढ़ के आंतरिक क्षेत्रों के लिए 5,000 करोड़ की क्रेडिट रिपेमेंट गारंटी योजना अत्यंत परिवर्तनकारी सिद्ध हो सकती है। मुंगेली, धमतरी और कवर्धा जैसे छोटे शहरों को अब तक निजी पूंजी तक पहुँचने में कठिनाई होती रही है। अब केंद्र सरकार पहली बार प्रथम ऋण (7 करोड़ तक) पर 70% गारंटी प्रदान कर रही है, जिससे 20 करोड़ या उससे अधिक मूल्य की परियोजनाएँ बैंक योग्य बन सकेंगी। यह राज्य सरकार के लिए एक अभूतपूर्व अवसर है कि वह छोटे शहरी निकायों की जल एवं स्वच्छता परियोजनाओं को समेकित कर वित्तीय रूप से सक्षम परिसंपत्तियों में परिवर्तित करे, ताकि छोटे नगर भी आर्थिक विकास के अगले चरण का हिस्सा बन सकें।

### अवसरों का कॉरिडोर

यूसीएफ के ‘सिटीज़ ऐज़ ग्रोथ हब्स’ घटक के अंतर्गत नवा रायपुर-भिलाई-दुर्ग कॉरिडोर को एक समेकित ‘सिटी इकोनॉमिक रीजन’ के रूप में विकसित करने का सुनहरा अवसर है। एकीकृत भू-आर्थिक और परिवहन नियोजन के माध्यम से राज्य इस क्षेत्र के लिए अत्यावश्यक अवसंरचना—विशेषकर ट्रांजिट कॉरिडोर—के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकता है, जिससे इसकी आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

### औद्योगिक पुनरुद्धार और विरासत संवर्धन

छत्तीसगढ़ की औद्योगिक विरासत हमारी शक्ति भी है और जिम्मेदारी भी। कोरबा और भिलाई जैसे शहरों में बड़े पैमाने पर ब्राउनफील्ड क्षेत्र हैं, जिनमें अपार आर्थिक संभावनाएँ निहित हैं। यूसीएफ के ‘क्रिएटिव रीडेवलपमेंट ऑफ सिटीज’ घटक के अंतर्गत इन क्षेत्रों का पुनरुद्धार कर उन्हें आधुनिक व्यावसायिक जिलों, हरित पार्कों और नवाचार केंद्रों में बदला जा सकता है।

# स्तन कैंसर के इलाज और निदान संबंधी नवाचारों को किया साझा

- **सिम्स में स्तन कैंसर के इलाज संबंधी जागरुकता पर सीएमई का आयोजन**

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर में अधिष्ठाता (डीन) डॉ. रमनेश मूर्ति के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सर्जरी विभाग द्वारा एक दिवसीय स्तन कैंसर के इलाज संबंधी जागरूकता सीएमई आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में स्तन कैंसर के इलाज एवं निदान संबंधी नवाचारों को साझा किया गया । इस सीएमई का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चिकित्सक वास्तविक उपचार के दौरान पूरी तरह प्रशिक्षित और आत्मविश्वास से भरे हों। इसके साथ ही स्तन कैंसर के मरीजों के साथ बेहतर संवाद और नैतिकता पर भी गहन चर्चा की गई। कार्यक्रम में अतिथि व्याख्याता डॉ. राधाकृष्णा रामचंदानी प्रोफेसर एम्स रायपुर, डॉ. अमित वर्मा वरिष्ठ कंसल्टेंट अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर इन हाउस स्पीकर डॉ. चंद्रहास ध्रुव प्रोफेसर रेडिएशन एंड मेडिकल ओंकोलॉजी, डॉ. शहनाज बानो सहायक प्राध्यापक पैथोलॉजी विभाग ने स्तन कैंसर के इलाज - सर्जरी, कीमोथेरेपी, हिस्टोपैथोलॉजी के विषय पर अपने ज्ञान से सबको नवीनतम इलाज हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया ।

### वरिष्ठ विशेषज्ञों ने दिया मार्गदर्शन

इस आयोजन में संस्थान के वरिष्ठ विशेषज्ञों ने सक्रिय भूमिका निभाई, जिनमें मुख्य रूप से डॉ. भूपेन्द्र कश्यप नोडल अधिकारी, डॉ. लखन सिंह (चिकित्सा अधीक्षक), डॉ. मधुमिता मूर्ति (प्रोफेसर, एनेस्थीसिया विभाग), डॉ ओमप्रकाश राज (विभागाध्यक्ष सर्जरी विभाग), डॉ. केशव कश्यप एवं अन्य फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम चिकित्सकों को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों से जोड़कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

# सराफा व्यापारी शहर से दूर दुकानों में करे अतिरिक्त सुरक्षा का इंतजाम: एसएसपी

## दुकान के अंदर और बाहर में सीसीटीवी जरूर लगाएं

- **सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल सोनी ने कारोबारियों को सावधानी बरतने की अपील की**

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** पिछले दिनों हुई राजकिशोर नगर में सराफा व्यापारी के साथ लूट की घटना को ध्यान में रखते हुए एसएसपी रजनेश सिंह ने भविष्य में इस तरह की घटना से बचा जा सके इसके एतिहात के तौर पर कहा कि जिन व्यापारियों का दुकान शहर से दूर स्थित है। उन व्यापारियों को अपने और दुकान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना होगा। दुकान के आसपास में सीसीटीवी जरूर लगाकर रखें। सोने चांदी के गहनों को रोजाना लाना ले जाना करने से बेहतर है कि अन्य सुरक्षित विकल्प रखे जाए, जिससे कोई भी अप्रिय घटना होने से व्यापारी की जान और माल बच सके। श्री सोनी ने कहा कि सराफा व्यापारी जो भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र से दूर में व्यापार कर रहे हैं। इस घटना को देखते हुए अब पहले से ज्यादा सावधानी बरतें। लगातार बढ़ते सोने के भाव भी अपराध बढ़ने की वजह हैं,इसलिए सतर्क रहना जरूरी हैं, थोड़ी सी भी लापरवाही से जन हानि भी हो सकती हैं। श्री सोनी ने आगे सर्राफा व्यापारियों से अपील करते हुए कहा है कि अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापार करें। दुकान में सुरक्षा की व्यवस्था बेहतर होनी चाहिए। दुकान के अंदर और बाहर सीसीटीवी लगाने से कभी कोई अप्रिय घटना घटती भी है तो अपराधियों तक पहुंचने में आसानी होगी।

### सुनसान सड़क, अंधेरे का फायदा उठाते हैं अपराधी: एसएसपी

एसएसपी श्री सिंह ने कहा कि ज्यादातर ऐसी घटनाएं शहर के बाहरी क्षेत्रों में होती हैं जहां पर सुनसान सड़क,अंधेरे का फायदा उठाकर अपराधी घटना को अंजाम देते हैं। सर्राफा व्यापारी अपने दुकान के बाहर की गतिविधियों का भी विशेष ध्यान रखें कोई भी व्यक्ति संदिग्ध लगता है तुरंत इसकी जानकारी निकट के थाने में दें। सराफा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने कहा कि पुलिस विभाग ने सराफा व्यापारियों के हित व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जो सावधानी बरतने को कहा हैं उस पर सभी व्यापारी अमल करेंगे, जिससे भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति हमारे शहर में ना हो।

### बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से लॉ स्टूडेंट्स, एमएसडब्ल्यू स्टूडेंट्स एवं युवोदय वॉलंटियर्स के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विशेष रूप से लॉ स्टूडेंट्स, एमएसडब्ल्यू स्टूडेंट्स एवं युवोदय वॉलंटियर्स के लिए आयोजित की गई थी। जिले के विभिन्न विकासखंडों से प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया था और प्रशिक्षण का मुख्य फोकस इन्हीं पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम ‘बाल विवाह मुक्त अभियान’ के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। प्रशिक्षण मुख्य रूप से लॉ स्टूडेंट्स, एमएसडब्ल्यू स्टूडेंट्स एवं युवोदय वॉलंटियर्स को प्रदान किया गया, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बाल विवाह की रोकथाम, बाल संरक्षण मामलों की पहचान तथा आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से समझकर जागरूकता एवं सहयोग की भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर श्री शशांक शर्मा एवं एनी रोज टोडर द्वारा प्रतिभागियों को विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया।

# एआई भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रसार में सहायक: चक्रवाल

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) नैक द्वारा ए++ ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल तेलंगाना के उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 19-20 फरवरी को एआई और क्वांटम सक्षम उच्च शैक्षणिक संस्थान विषय पर आयोजित एआईयू सेंट्रल जोन वाइस चांसलर्स मीट 2025-26 में शामिल हुए। 19 फरवरी को अपराह्न 2.30 से 4 बजे तक आयोजित दूसरे तकनीकी सत्र में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने एआई आधारित स्वदेशी अनुसंधान एवं उत्पाद विकास विषय पर सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत तभी आत्मनिर्भर और वैश्विक नेतृत्वकर्ता बन सकता है जब आधुनिक तकनीक को समृद्ध भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ सार्थक रूप से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा का व्यापक प्रसार किया जा सकता है। कुलपति प्रो. चक्रवाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल तकनीकी नवाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय उच्च शिक्षा को आत्मनिर्भर, नवाचारोन्मुख और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाने का सशक्त माध्यम है। कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल ने कहा कि आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस के सहयोग से पारंपरिक औषधीय ज्ञान, स्थानीय संसाधनों और उत्पादों को वैज्ञानिक मान्यता देते हुए नए उत्पादों, स्टार्टअप्स और उद्योगों को विकसित किया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से विश्वविद्यालयों एवं अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों में भारतीय ज्ञान प्रणालियों को पाठ्यक्रम, अनुसंधान और नवाचार से जोडकर एआई आधारित स्वदेशी के विचार को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। इस मीट में भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक, महासचिव डॉ. पंकज मित्तल एवं उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोलूगाराम सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। इस दो दिवसीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों से आए कुलपतियों, शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं एवं विशेषज्ञों ने भाग लेकर भविष्य की उच्च शिक्षा की दिशा पर विचार-विमर्श किया।

**उपलब्धि:** एक छात्र अनुपूरक सूची में शामिल, कुलपति व कुलसचिव ने दी शुभकामनाएं

# सीवीआरयू के 4 छात्र व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 में चयनित

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय के विधि विभाग के पाँच विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ सिविल जज (व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2) परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। मुख्य सूची में तृप्ति अग्रवाल, अंजु पात्रे, अश्वीन खाका और डिप्पल अजगल्ले का चयन हुआ है, जबकि प्रगति उपाध्याय का नाम अनुपूरक सूची में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है, बल्कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, अनुभवी प्राध्यापकों के मार्गदर्शन तथा उत्कृष्ट अध्ययन-संरचना की भी प्रमाणिकता है। विधि विभाग द्वारा विद्यार्थियों को प्रारंभ से ही न्यायिक सेवा की तैयारी हेतु विशेष मार्गदर्शन, मॉक टेस्ट, केस स्टडी विश्लेषण और साक्षात्कार प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है, जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आया है।

### सफलता विवि परिवार के लिए प्रेरणादायी: प्रो. घोष

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि न्यायिक सेवा में प्रवेश केवल एक पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज में न्याय, निष्पक्षता और संविधान के मूल्यों की रक्षा का दायित्व निभाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी, संवेदनशीलता और नैतिकता के साथ करेंगे तथा समाज में न्याय व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएंगे। कुलसचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी ने भी विद्यार्थियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सिद्ध करता है। कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास सतत हो, तो सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता की नई मिसाल स्थापित करेंगे। विधि विभाग के प्राध्यापकों ने भी विद्यार्थियों की इस सफलता को विभाग की सामूहिक उपलब्धि बताया।

# किम्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में स्टेट लेवल सेमिनार आज

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ते कानूनी आयामों और डॉक्टरों की जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए किम्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा एक महत्वपूर्ण स्टेट लेवल सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। ‘मेडिको-लीगल: एड इन एक्शन - क्लिनिक से कोर्टरूम तक’ विषय पर यह सेमिनार 22 फरवरी (रविवार) को सुबह 10:30 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगा। यह आयोजन डॉ. सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी के लॉ डिपार्टमेंट और लाइफ साइंसेज डिपार्टमेंट (कारगी रोड, कोटा, बिलासपुर) के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है। साथ ही इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बिलासपुर का विशेष सहयोग भी प्राप्त है। इस राज्य स्तरीय सेमिनार का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं और कानून के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। कार्यक्रम के प्रमुख मकसद इस प्रकार हैं- रोज़मर्रा की क्लिनिकल प्रैक्टिस में लीगल फ्रेमवर्क को प्रभावी रूप से शामिल करना। डॉक्टरों और हेल्थकेयर स्टाफ को कानूनी रूप से जागरूक, सुरक्षित और प्रोफेशनली संरक्षित बनाना।

# जिले में एसआईआर के बाद अंतिम प्रकाशन में 5,35,989 मतदाता पंजीकृत

**बलरामपुर/नवप्रदेश।** अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संपन्न किया गया चार महीने तक चले निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन दिनांक 21 फरवरी 2026 को प्रकाशित की गई, जिसमें कुल-5,35,989 मतदाता पंजीकृत है। मतदाता सूची के प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशन के बाद 4350 मतदाताओं की वृद्धि हुई (शुद्ध वृद्धि)। 772 बीएलओ ने घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित किए और 5,73,571 मतदाताओं के मिलान और मैपिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के दौरान नागरिकों से प्राप्त नवीनतम फोटोग्राफ भी अंतिम मतदाता सूची में प्रकाशित की गई।

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वावन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू किया गया। राज्य भर में 27 अक्टूबर 2025 से शुरू हुए और चार महीने तक लगातार चले एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान के विभिन्न चरणों के प्रभावी संचालन के बाद आज 21 फरवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन किया गया है। मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने या मतदाता सूची से अपना नाम हटवाने से संबंधित दावे और आपत्तियां 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 के बीच प्रस्तुत किए गए थे। प्राप्त दावे/आपत्तियों का निराकरण 14 फरवरी 2026 तक किया गया।अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा जिला के सभी नागरिकों को इस अभियान में अभूतपूर्व सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया गया। निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए 02 मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ), 11 सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ), 772 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और 1200 बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) सहित कई स्वयं सेवकों की सक्रिय भागीदारी रही है। साथ ही जिले के मतदाताओं एवं मीडिया, राजनीतिक दलों और अन्य संगठनों का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

### प्रमुख आंकड़े और उपलब्धियां

डिजिटलीकरण- कुल 5,73,571 मतदाताओं में से 5,31,639 मतदाताओं से गणना फॉर्म प्राप्त हुए, जिनका पूर्ण रूप से डिजिटलीकरण किया गया। घर-घर सर्वे-बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा निरंतर घर-घर जाकर सर्वे किया गया, जिसमें मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दो स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान की गई। प्रारूप (ड्राफ्ट) सूची से पहले 5,73,571 मतदाता। प्रारूप (ड्राफ्ट) सूची के प्रकाशन के बाद 5,31,639 मतदाता। अंतिम मतदाता सूची 5,35,984 मतदाता। शुद्ध वृद्धि, प्रारूप (ड्राफ्ट) सूची के प्रकाशन के बाद अंतिम सूची में 4,350 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। एसआईआर की घोषणा के बाद से ही जिले में 5,73,571 मतदाताओं को गणना फॉर्म के वितरण से लेकर उनके डिजिटलीकरण का कार्य मिशन मोड पर किया गया।

## न्यूज गैलरी

### 5,901 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा, 162 रहे अनुपस्थित

**मुंगेली/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी परीक्षा 2026 का आज शुभारंभ हुआ। पहले दिन विद्यार्थियों ने भौतिक शास्त्र और भूगोल विषय की परीक्षा दी। जिले में परीक्षा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न हुई। भौतिक शास्त्र विषय के 03 हजार 11 और भूगोल विषय के 02 हजार 890 सहित कुल 05 हजार 901 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी तथा 162 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। नकल प्रकरण निरंक रहा। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार नकल रोकथाम एवं निगरानी के लिए पांच निरीक्षण दलों का गठन किया गया है। परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन के लिए जिला स्तर पर 05 निरीक्षण दल गठित किए गए हैं। विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुंगेली, लोरमी एवं पथरिया को अपने-अपने क्षेत्र में निगरानी दल गठित कर परीक्षा केंद्रों का सतत निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। लोरमी एसडीएम श्री अजीत पुजारी, नायब तहसीलदार चंद्र प्रकाश सहित अन्य अधिकारियों ने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल लोरमी और अन्य परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर वहां सुरक्षा व्यवस्था, प्रश्न पत्र वितरण प्रक्रिया एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

### रायपुर से गिरौदपुरी धाम तक निकली सतनाम सद्भाव पदयात्रा

**मुंगेली/नवप्रदेश।** रायपुर से गिरौदपुरी धाम तक सतनाम सद्भाव पदयात्रा में जिले से सतनाम सेना युवा अध्यक्ष नेमसिंह बोगी बारमते एवं सामाजिक जनो की सहभागिता रही। पदयात्रा का उद्देश्य समाज में समानता, भाईचारा, सद्भाव और मानवता के मूल सिद्धांतों को सशक्त रूप से आगे बढ़ाना रहा। पदयात्रा में धर्मगुरू बालक दास साहेब, केबिनेट मंत्री गुरू खुसवंत साहेब के नेतृत्व में मनखे-मनखे एक समान का संदेश लेकर रायपुर के मोआ स्थित सतनाम भवन परिसर से सतनाम सदभाव पद यात्रा गिरोधपुरी धाम के लिए रवाना हुई। पदयात्रा में विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में सतनाम समाज के लोग शामिल हुए। श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हुए सतनाम पंथ के आदर्शों और गुरु घासीदास बाबा के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाते नजर आए। पदयात्रा के दौरान युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने एक स्वर में समानता, न्याय और मानवता के पक्ष में संकल्प लिया। गिरौदपुरी धाम पहुंचकर पदयात्रा का समापन सतनाम दर्शन और सामूहिक प्रार्थना के साथ हुआ। आयोजकों के अनुसार इस तरह की पदयात्राएं समाज में सकारात्मक सोच, आपसी भाईचारे और सामाजिक चेतना को बढ़ावा देती हैं। पदयात्रा ने यह संदेश दिया कि समाज तभी आगे बढ़ेगा, जब हर व्यक्ति को समान सम्मान और अधिकार मिलेगा।

### ईंट भट्ठे की पोखरी में नहाने गया 6 साल का बच्चा डूबा

**लखनपुर/नवप्रदेश।** चिरमिरी बड़ा बाजार बरतुंगा रोड स्थित ईंट बनाने बनाए गए पोखरी तालाब में हादसे में 6 वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत हो गई। बच्चे का परिवार कोतमा से रोजगार की तलाश में बड़ा बाजार ईंट भट्ठे में काम करने आया था और अस्थायी रूप से यहीं रह रहा था। बच्चा अपनी मां के साथ पोखरी में नहाने गया था। नहाते समय वह खेलते-खेलते अचानक गहरे पानी में चला गया। मां को जब तक कुछ समझ आता, तब तक

# कुम्हार, बढ़ई और दर्जी कला का प्रायोगिक प्रशिक्षण

**मुंगेली/नवप्रदेश।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को साकार करने और विद्यार्थियों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए पीएम श्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बंधवा में पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा कार्यशाला का सफ्लतापूर्वक आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यशाला में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विद्यालय के शिक्षक सोहम ठाकुर, विजय कृष्णा सिंह एवं अनिल राठौड़ ने कार्यशाला संचालन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य हमारे जनजातीय विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के अतिरिक्त व्यावहारिक और पारंपरिक व्यवसायों से अवगत कराना था। कार्यशाला में मुख्य रूप से तीन व्यावसायिक कौशलों का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गयारू कार्यशाला के प्रथम सत्र में स्थानीय कुंभकार राजकुमार कुंभकार द्वारा विद्यार्थियों को मिट्टी के बर्तन बनाने की कला जैसे-दीपक बनाना, गुल्लख बनाना इत्यादि सिखाई गई।

विद्यार्थियों ने न केवल इस कला को करीब से देखा, बल्कि स्वयं चाक पर बैठकर मिट्टी को विभिन्न आकार देना भी सीखा। बच्चों ने अत्यंत उत्साह के साथ इस गतिविधि में भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए सुंदर आकृतियाँ गढ़ीं। दूसरे सत्र में कुशल बढ़ई भुजबल यादव द्वारा विद्यार्थियों को लकड़ी के औजार और अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान बच्चों ने विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में लकड़ी को काटना, छीलना और मशीनों जैसे ग्राइंडिंग मशीन का सुरक्षित रूप से उपयोग करना सीखा। यह प्रायोगिक अनुभव विद्यार्थियों के लिए अत्यंत नया और ज्ञानवर्धक रहा। तीसरे सत्र में कुशल दर्जी भानु प्रताप द्वारा सिलाई मशीन के उपयोग और कपड़े सिलने की बुनियादी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। विद्यार्थियों ने सिलाई मशीन की कार्यप्रणाली को समझा और कपड़ों की कटाई व सिलाई की बारीकियों का अभ्यास किया। यह कौशल भविष्य में उनके स्वावलंबन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संपूर्ण कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों का उत्साह और सीखने की ललक देखने योग्य थी। सभी बच्चों ने प्रत्येक विधा में पूरी लगन और उत्सुकता के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इस प्रकार की पूर्व-व्यावसायिक कार्यशालाएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, उनमें श्रम के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने और उन्हें भविष्य में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अत्यंत सराहनीय पहल है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्राचार्य जितेन्द्र सिंह तंवर ने संबोधित करते हुए बताया कि कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता इसलिए अपना-अपना कार्य मन लगाकर गर्व के साथ करना चाहिएद्य इस प्रकार का कार्य करने वाले कारीगर अपने कार्य द्वारा समाज की महत्त्वपूर्ण सेवा करते है।

## 15 मार्च तक मनरेगा और जून तक आवास पूरा करें : सीईओ

**जांजगीर/नवप्रदेश।** जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे ने शुक्रवार को नवागढ़ जनपद पंचायत में आयोजित समीक्षा बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जनपद सीईओ, सहायक अभियंता, कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

सीईओ ने निर्देश दिए कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्य 15 मार्च तक पूर्ण किए जाएं। लंबित कार्यों में तेजी लाने, मजदूरों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराने और गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को नियमित स्थल निरीक्षण एवं साप्ताहिक समीक्षा के निर्देश भी दिए गए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवासों को जून माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया।

### साप्ताहिक जनदर्शन अब हर मंगलवार सुबह 11 बजे

**जांजगीर/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जिले में प्रशासनिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए नया आदेश जारी किया है।जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक सप्ताह समय-सीमा की समीक्षा बैठक अब हर सोमवार सुबह 10 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी।वहीं, पूर्व में सोमवार को आयोजित होने वाला साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम अब प्रत्येक मंगलवार सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित किया जाएगा।

## प्रतियोगिता : 130 खिलाड़ियों ने दिखाया हुनर

**लखनपुर/नवप्रदेश।** जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से 17 फरवरी को मिनी स्टेडियम खड़गवां में जिला स्तरीय ओपन जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस खेल महाकुंभ में जिले भर के विभिन्न क्षेत्रों से आए करीब 130 बालक-बालिकाओं ने ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं में अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि अमित विश्वास और प्रमोद पाण्डेय ने फीता काटकर किया। अतिथियों ने कहा कि एथलेटिक्स जैसे व्यक्तिगत खेल केवल शारीरिक क्षमता नहीं, बल्कि साहस, अनुशासन और आत्मविश्वास की परीक्षा हैं। उन्होंने युवाओं को कड़ी मेहनत कर राष्ट्रीय पटल पर जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। विभिन्न स्पर्धाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मेडल, प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। पूर्व में आयोजित महिला अस्मिता खेलों के प्रतिभागियों को खेलो इंडिया की ओर से प्राप्त मेडल और सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

## आंगनबाड़ी केंद्रों में वजन मशीन उपलब्ध कराने की मांग

**लखनपुर/नवप्रदेश।** सूरजपुर और बलरामपुर जिले के उदयपुर ब्लॉक अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में वजन मापने की मशीन उपलब्ध नहीं होने से छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच प्रभावित हो रही है।

इस समस्या को लेकर जिला पंचायत सदस्य राधा रवि ने महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग की मंत्री को आवेदन सौंपकर सभी केंद्रों में वजन मशीन उपलब्ध कराने की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि वजन मापन

की सुविधा के अभाव में बच्चों के पोषण स्तर की निगरानी और गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच नियमित रूप से नहीं हो पा रही है। इससे शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में भी कठिनाई आ रही है। राधा रवि ने मांग की है कि उदयपुर ब्लॉक के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में जल्द वजन मशीन उपलब्ध कराई जाए, ताकि स्वास्थ्य परीक्षण सुचारु रूप से हो सके।

## स्कॉर्पियो लूट कांड : एक आरोपी को दबोचा, साथी फरार

**अंबिकापुर/नवप्रदेश।** दरिमा थाना क्षेत्र में पिछले दिनों हुई स्कार्पियो लूट की वारदात में पुलिस ने साइबर सेल की मदद से मध्य प्रदेश के अनूपपुर निवासी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, घटना में शामिल अन्य आरोपी अब भी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं। केदारपुर निवासी प्रार्थी अंकित सिन्हा के अनुसार, 10 फरवरी 2026 को एक परिचित के माध्यम से चार लोगों को मैनपाट घुमाने का सौदा तय हुआ था। अंकित स्कार्पियो सीजी 16 सीजे 5333 लेकर उन्हें घुमाने ले गया। शाम को वापस लौटते समय आरोपियों ने साजिश के तहत गाड़ी रुकवाई। सामने बैठे आरोपी ने उल्टी आने का बहाना बनाया। जैसे ही गाड़ी रुकी, पीछे बैठे आरोपी ने बेल्ट से चालक अंकित का गला घोंटने की कोशिश की। अंकित किसी तरह आरोपियों के चंगुल से छूटकर गाड़ी से कूदा और सड़क किनारे गड्ढे में छिपकर अपनी जान बचाई।

## ड्यूटी के दौरान दिवंगत आरक्षक को श्रद्धांजलि, परिवार को 1 करोड़ की सहायता

**मुंगेली/नवप्रदेश।** पुलिस ड्यूटी के दौरान सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए आरक्षक राकेश डहरिया के परिजनों को राज्य शासन की पुलिस सैलरी पैकेज योजना अंतर्गत 01 करोड़ की आर्थिक सहायता स्वीकृत कर प्रदाय किया गया। एसएसपी भोजराम पटेल ने दिवंगत आरक्षक राकेश डहरिया के परिवार को पुलिस सैलरी पैकेज के तहत आर्थिक सहायता 01 करोड़ रूपये का चेक दिया गया । जिला मुंगेली के थाना पथरिया में पदस्थ आरक्षक राकेश डहरिया का 24 जून 2025 को ड्यूटी के दौरान

सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो जाने पर पुलिस विभाग द्वारा शोक व्यक्त किया गया है। सड़क हादसे मे आरक्षक राकेश डहरिया की आकस्मिक निधन पश्चात् धर्मपत्नि नागेश्वरी डहरिया को सांत्वना देते हुये पुलिस सैलरी पैकेज के तहत भारतीय स्टेट बैंक शाखा से 01 करोड़ रूपये का चेक देकर आर्थिक रूप से सहायता प्रदाय किया गया। पुलिस सैलरी पैकेज का योजना का मुख्य उद्देश्य ड्युटी मे तैनात पुलिस अधिकारी कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु होने पर आश्रित परिवार को आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता मिल सके ताकि भविष्य सुरक्षित हो सके। मुख्य शाखा बड़ाबाजार, मुंगेली के शाखा प्रबंधक राहुल रंजन सिंह ने बताया कि केंद्र राज्य शासन द्वारा बैंकों के माध्यम से पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत शहीद जवान अथवा आकस्मिक निधन की स्थिति में उनके आश्रित परिजनों को निर्धारित आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाती है। जिसके तहत 1 करोड़ की राशि चेक के माध्यम से दिवंगत आरक्षक राकेश डहरिया के परिजनों को दिया गया है। पुलिस सैलरी पैकेज योजना एवं शासकीय प्रावधानों के अंतर्गत दिवंगत आरक्षक के परिजनों को 01 करोड़ की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

## पेज एक का शेष

### मध्य प्रदेश के निकले वनवासी...

किया। मंत्री ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया था। बातचीत के बाद आखिरकार मूर्तिकार दीपक को प्रतिमा की राशि का भुगतान कर दिया गया है।

### ट्रेड डील में कोई बदलाव...

सुप्रीम कोर्ट के फैसले और ट्रम्प की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भारत सरकार ने कहा है कि वह पूरे मामले को ध्यान से देख रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी प्रशासन ने जो भी नए कदम उठाए हैं, उनके भारत पर क्या असर पड़ सकते हैं, इसका आकलन किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, शुक्रवार को आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले और ट्रम्प की प्रेस कॉन्फ्रेंस को नोट किया गया है। अमेरिका की ओर से कुछ फैसलों की घोषणा भी की गई है। सरकार इन सभी घटनाक्रमों को समझ रही है, ताकि यह तय किया जा सके कि इनका भारत और दोनों देशों के व्यापार पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

### मप्र में 34.25

थे। नए नाम जोड़ने के लिए जिन विधानसभा क्षेत्रों में दस हजार से अधिक आवेदन जमा किए गए थे, उसमें मंत्री कृष्णा गौर की गोविंदपुरा विधानसभा सीट सबसे आगे है। यहां 17888 आवेदन नए नाम जोड़ने के लिए आए। इसके बाद मंत्री विश्वास सारंग की सीट नरेला में 15115 नए नाम जोड़ने के आवेदन आए थे।भोपाल जिले की हुजूर विधानसभा सीट जिसके विधायक रामेश्वर शर्मा हैं, वहां से 13024 नए नाम जो?ने के आवेदन आए। इंदौर जिले में इंदौर 2 विधानसभा सीट से 10446 और इंदौर 5 विधानसभा क्षेत्र से 11040 नाम जो?ने के लिए आवेदन जमा कराए गए। राऊ सीट के लिए 12700, नागदा खाचरौद सीट के लिए 11047 आवेदन जमा कराए गए।

### समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश

फ्लेट रेट योजना के अन्तर्गत 600 करोड़ रुपये, समर्थन मूल्य पर किसानों से फसल उपार्जन पर बोनस का भुगतान के अन्तर्गत 150 करोड़ रुपये और परंपरागत कृषि विकास योजना में 53 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया है।बजट में म.प्र.विद्युत मंडल द्वारा 5 एच.पी. के कृषि पम्पों/थ्रेशरों और एक बत्ती कनेक्शन को निःशुल्क विद्युत प्रदाय हेतु प्रतिपूर्ति के अन्तर्गत 5276 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 1299 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री कृषक फसल उपार्जन सहायता योजना के अन्तर्गत 1000 करोड़ रुपये, अधीनस्थ तथा विशेषज्ञ कर्मचारी वृन्द (जिला एवं अधीनस्थ स्तर का अमला) में 525 करोड़ रुपये, पर ड्रॉप मोर क्रॉप में 450 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री कृषि उन्नति योजना-2024 के अन्तर्गत 385 करोड़ रुपये, दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन (60¬40 प्रतिशत शेयरिंग पैटर्न) के अन्तर्गत 335 करोड़ रुपये, नेशनल मिशन ऑन ईडीबल ऑइल एण्ड ऑइलसीड के अन्तर्गत 266 करोड़ रुपये, सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चर मेकेनाईजेशन (एस.एम.ए.एम.) के अन्तर्गत 243 करोड़ रुपये, राष्टीय कृषि विकास योजना में 226 करोड़ रुपये, फूड एण्ड न्यूट्रीशन सिक्योरिटी में 150 करोड़ रुपये, नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के अन्तर्गत 142 करोड़ रुपये, सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) के अन्तर्गत 126 करोड़ रुपये, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर को ब्लॉक ग्रांट के अन्तर्गत 100 करोड़ रुपये, दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन (100 प्रतिशत केन्द्रांश) के अन्तर्गत 100 करोड़ रुपये, कृषि क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता अनुसंधान के अन्तर्गत 100 करोड़ रुपये, सहायक भूमि संरक्षण कार्यालय के अमले की स्थापना के लिये 59 करोड़ रुपये, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्व विद्यालय ग्वालियर को ब्लाक ग्रांट के अंतर्गत 58 करो? रूपये और जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय की स्ववित्तीय योजना में 57 करो? रूपये का प्रावधान रखा गया है।

### मध्यप्रदेश पुलिस की साइबर

कार्रवाई के दौरान क्रेडिट कार्ड से अवैध निकासी , फर्जी लोन स्वीकृति एवं अन्य वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों का भी खुलासा हुआ है। गिरोह द्वारा ॥ढ्ढ्ढ, ञ्जह्ररुयढ्ढ, स्ब्ह्य्र, श्वस्रुश्वस्रु, व्व्र्व्र, ॥ह्रढ्ढ, स्त्नह्र, ष्टह्रस्र्ब्ह्यष्टञ्जह्र, ॥ढ्ढञ्जस्, ॥ह्रद्गश्वद्ब्ब् एवं ष्टह्रस्र्ब्ह्यञ्ज जैसी ऑनलाइन एप्लीकेशनों का उपयोग कर लोगों को जाल में फंसाया जाता था।

### विकास, नवाचार और किसान

संकल्पित है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किसान भाइयों के खाते में सम्मान निधि भेजने की शुरुआत की है। हमारे लिए सीमा पर जवान और खेतों में किसान, दोनों बराबर हैं। दोनों समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहकर हर मौसम में काम करते हैं। प्रदेश में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मध्यप्रदेश में किसानों को पर्याप्त बिजली और सिंचाई की सुविधा मिल रही है। किसानों को सोलर पंप देकर बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 तक प्रदेश में सिंचित रकबा मात्र 7 लाख हैक्टेयर था जो हमारी सरकार आने पर ब?कर 44 लाख हैक्टेयर हुआ और पिछले डेढ़-दो साल में यह बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर से अधिक हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। शासकीय गौ-शालाओं के लिए प्रति गाय अनुदान 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए कर दिया है। पात्र हितग्राहियों को डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना में 25 गाय पालने पर 10 लाख रुपए तक अनुदान दिया जा रहा है।

### 'प्रोजेक्ट चीता' 'प्रकृति से प्रगति' का

डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में हुए प्रयासों ने साकार कर दिया है। भारत के अभयारण्यों में फर्राटे भरते चीतों की रफ्तार भविष्य में जैव-विविधता संरक्षण की एक प्रेरक मिसाल बन रही है। नामीबिया से 17 सितंबर 2022 को 8 चीतों का आगमन हुआ और प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उन्हें कूनो अभयारण्य के संरक्षित बाड़ों में छोड़ कर पुनर्स्थापना परियोजना का शुभारंभ किया। दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते 18 फरवरी 2023 को कूनो राष्टीय उद्यान में छोड़े गये। दक्षिण अफ्रीका से आये 12 में से 8 चीते वर्तमान में कूनो अभयारण्य में पूर्णतः स्थापित होकर स्वयं को वर्तमान आवास की परिस्थितियों में ढाल चुके हैं और पूरी तरह स्वस्थ हैं। इनमें से3 चीते गांधी सागर अभयारण्य में स्थानांतरित किए गए हैं। दक्षिण

# ‘एआई आने से इंसानों की जगह नहीं लेगी मशीन’, बदलेंगे रोजगार के मौके

**नई दिल्ली/ए.।** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग के बीच कॉरपोरेट जगत और आम लोगों में यह डर सता रहा है कि क्या मशीनें इंसानों की जगह ले लेंगी? सिस्को के प्रेसिडेंट और चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर जीतू पटेल ने इन चिंताओं को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उनका मानना है कि एआई इंसानों को बेमानी नहीं बनाएगा, बल्कि यह मानवीय क्षमता और मूल्य को और बढ़ाएगा। ऑटोमेशन के कारण नौकरियों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर पटेल ने माना कि काम का तरीका बदलेगा और कुछ पुरानी नौकरियां खत्म हो सकती हैं। हालांकि, उन्होंने आश्वस्त किया कि हर नौकरी का स्वरूप बदलेगा और एआई के कारण पूरी तरह से नए उद्योग और अवसर पैदा होंगे। मशीनें सहानुभूति, रचनात्मकता और समाज में योगदान देने की इंसानी फितरत की नकल नहीं कर सकती हैं। कार्यस्थलों पर एआई ‘डिजिटल सहकर्मियों’ के रूप में काम करेगा। इंसान अब उच्च-स्तरीय निर्णय लेने, रचनात्मकता और समस्याओं को सुलझाने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। जीवन को केवल ‘समुद्र तट को घूरने’ तक सीमित कर देना जीवन के उद्देश्य को ही चुनौती देगा, क्योंकि इंसानों में स्वभाव से ही कुछ नया बनाने और समाज में मूल्य जोड़ने की जन्मजात इच्छा होती है। एआई से जुड़े खर्चों पर बात करते हुए पटेल ने कहा कि इसे ट्रेन करने और चलाने की लागत अभी अधिक है, लेकिन यूनिट इकोनॉमिक्स में तेजी से सुधार हो रहा है। पिछले दो वर्षों में इन्फरेंसिंग पर टोकन जनरेशन की लागत 1,000 गुना कम हो गई है।

### एआई और मानवीय समझ का तालमेल

पटेल के अनुसार, असली कामयाबी तब मिलती है जब इंसानी समझ और निर्णय लेने की क्षमता को एआई के ऑटोमेशन के साथ मिलाया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चैटबॉट से लेकर ऑटोनॉमस एजेंट तक, एआई सिस्टम तेजी से उन्नत हो रहे हैं, लेकिन इन्हें इंसानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, न कि उन्हें बदलने के लिए। पटेल ने अपनी मां के अस्पताल में भर्ती होने का उदाहरण देते हुए कहा कि कोई भी एआई किसी नर्स की जगह नहीं ले सकता। इंसानों में प्यार, समझ और देखभाल की बुनियादी जरूरत होती है, जिसे कोई मशीन पूरा नहीं कर सकती है।

### तकनीक को अपनाने की रफ्तार

दुनिया एआई के दूसरे प्रमुख चरण में प्रवेश कर चुकी है, जबकि पहला चरण चैटबॉट्स का था जो बुद्धिमानी से सवालों के जवाब देते थे और यह किसी जादू जैसा लगता था। पटेल ने कहा कि इंसान किसी भी नई और जादुई लगने वाली तकनीक को बहुत जल्दी सामान्य मान लेते हैं। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को में वेमो की सेल्फ-ड्राइविंग कारों का उदाहरण देते हुए बताया कि पहली बार यह अनुभव हैरान करने वाला होता है। दूसरी बार बैठने पर इंसान डिस्ट्रैक्ट होकर ईमेल करने लगता है, और तीसरी बार तक कार की सीटों की शिकायत करने लगता है।

## न्यूज गैलरी

### हिंद महासागर पर भारत की कूटनीतिक पहल

**पणजी।** हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती समुद्री चुनौतियों के बीच भारत ने एक बार फिर नेतृत्व की भूमिका निभाई है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने गोवा में गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव 2026 का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन में हिंद महासागर से जुड़े 14 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सम्मेलन का मकसद समुद्र में बढ़ते खतरों से निपटने के लिए साझा रणनीति बनाना और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करना है। इस सम्मेलन में ड्रग तस्करी, अवैध और अनियमित मछली पकड़ने जैसी गंभीर समस्याओं पर चर्चा हुई। नौसेना प्रमुख ने कहा कि ये चुनौतियां सिर्फ किसी एक देश की नहीं हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता को प्रभावित करती हैं। सम्मेलन का विषय ÷हिंद महासागर क्षेत्र में साझा समुद्री सुरक्षा चुनौतियां और बदलते खतरों से निपटने के प्रयास÷ रखा गया है। इस मौके पर दक्षिणी नौसेना कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल समीर सक्सेना और पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल अरुण प्रकाश भी मौजूद रहे। इस कॉन्क्लेव में बांग्लादेश, इंडोनेशिया, कोमोरोस, मलेशिया, केन्या, सिंगापुर, मेडागास्कर, थाईलैंड, म्यांमार, मालदीव, मॉरीशस, सेशेल्स, श्रीलंका और तंजानिया के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। इन देशों ने समुद्री सुरक्षा से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। सभी देशों ने माना कि समुद्र में अपराध अब संगठित और तकनीकी रूप से मजबूत हो चुके हैं, जिनसे निपटने के लिए मिलकर काम करना जरूरी है। पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल अरुण प्रकाश ने अपने मुख्य भाषण में अवैध, गैर-रिपोर्टेड और अनियमित मछली पकड़ने से निपटने के लिए एक साझा टास्क फोर्स बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अगर देशों के बीच रियल टाइम खुफिया जानकारी साझा हो, तो समुद्री अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया गया कि हिंद महासागर की सुरक्षा आपसी विश्वास और मजबूत तालमेल से ही संभव है।

### पूर्वी लेबनान पर इजरायली हवाई हमला, हिजबुल्लाह कमांडर ढेर

**बेरूत(वार्ता/शिन्हुआ)।** इज़रायल की ओर से लेबनान के पूर्व में किये गये हवाई हमलों में हिज़्बुल्लाह समूह के तीन कमांडर और आठ सैनिक मारे गए, जबकि 35 अन्य घायल हो गये। सरकारी और लेबनानी सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। लेबनान की सरकारी नेशनल न्यूज़ एजेंसी ने शुक्रवार को शुरुआती आंकड़ों की रिपोर्ट दी, जिसमें कहा गया कि पूर्वी लेबनान के रियाक में एक बिल्डिंग पर हुए हवाई हमलों में 10 से ज़्यादा लोग मारे गये और 30 से ज़्यादा घायल हो गये।

### भिवंडी कोर्ट में पेश हुए राहुल गांधी

**मुंबई।** कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र के ठाणे जिले की भिवंडी मजिस्ट्रेट अदालत में मानहानि मामले में नई जमानत पेश करने पहुंचे। अदालत ने उनसे नया जमानतदार पेश करने को कहा था, क्योंकि उनके पूर्व जमानतदार और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का पिछले साल दिसंबर में निधन हो गया था। राहुल गांधी इस मामले में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को नए जमानतदार के रूप में पेश कर रहे हैं। उनके वकील नारायण अय्यर के अनुसार, मजिस्ट्रेट ने औपचारिकताएं पूरी करने के लिए गांधी को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। अय्यर ने कहा कि मामला तेजी से आगे बढ़ रहा है और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार देशभर में सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों का शीघ्र निपटारा किया जा रहा है। वकील ने यह भी कहा कि बचाव पक्ष उचित समय पर अपने गवाह और दस्तावेजी साक्ष्य अदालत के समक्ष पेश करेगा। उन्होंने न्यायपालिका पर विश्वास जताते हुए कहा कि उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है और इस मामले में न्याय मिलने की उम्मीद है। अदालत ने महाराष्ट्र कांग्रेस नेता के विवरण का सत्यापन किया क्योंकि उन्होंने प्रक्रिया पूरी करने के लिए जमानत बांड पर हस्ताक्षर किए थे।

# भारत के विजन पर 88 देशों की मुहर, ‘सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय’ पर वैश्विक सहमति

**नई दिल्ली/ए.।** भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित ‘इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026’ को एक बड़ी कूटनीतिक और तकनीकी सफलता मिली है। 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने इस शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को इसकी घोषणा करते हुए साफ किया कि दुनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण’ को खुले तौर पर स्वीकार कर लिया है। यह कदम वैश्विक स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के सुरक्षित, समान और जवाबदेह विकास की दिशा में एक अहम मील का पत्थर माना जा रहा है।

***शिखर सम्मेलन से जुड़ी प्रमुख नीतिगत बातें***

यह शिखर सम्मेलन 16 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली के ‘भारत मंडपम’ में आयोजित किया गया। इस आयोजन ने कई अहम मोर्चों पर वैश्विक नीतियां तय करने का मजबूत आधार रखा है:

**ग्लोबल साउथ का नेतृत्व:** यह ‘ग्लोबल साउथ’ में आयोजित होने वाला दुनिया का पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन था।

**हितधारकों का महामंच:** इस आयोजन में दुनिया भर के सरकारी नीति-निर्माताओं, एआई क्षेत्र के उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, टेक्नोलॉजी इनोवेटर्स और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

**मानवता के लिए एआई:** इस समिट का फोकस एआई की परिवर्तनकारी क्षमता पर विचार करने के साथ-साथ, ‘मानवता के लिए एआई’ के वैश्विक सिद्धांत को आगे बढ़ाना था।

**प्रशासन और सुरक्षा:** यह शिखर सम्मेलन एआई के प्रशासन, सुरक्षा मानकों और समाज पर इसके प्रभाव को लेकर वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की एक विकसित होती अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया का हिस्सा है।

’इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026’ का यह ऐतिहासिक घोषणापत्र बताता है कि एआई जैसी क्रांतिकारी तकनीक पर अब किसी एक देश या चंद टेक कंपनियों का एकाधिकार नहीं रहेगा। 88 देशों और संगठनों की यह एकजुटता एआई के सुरक्षित विकास और इसके आर्थिक लाभों को विकासशील देशों तक पहुंचाने का रास्ता साफ करेगी।

### वैश्विक सहयोग और ‘सर्वजन हिताय’ का सिद्धांत

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि कुल 88 हस्ताक्षरकर्ताओं में से 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने ‘सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय’ (सभी का कल्याण, सभी की खुशी) के सिद्धांत को औपचारिक रूप से स्वीकार किया है। इस विजन का मुख्य लक्ष्य एआई संसाधनों का इस तरह से लोकतंत्रीकरण करना है कि इस उन्नत तकनीक और इसके आर्थिक फायदों की पहुंच दुनिया भर में समाज के हर वर्ग तक सुनिश्चित हो सके।

# स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने टेटनस और डिप्थीरिया वैक्सीन को किया पांच

**कसौली(सोलन)।** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को केंद्रीय अनुसंधान केंद्र में टेटनस व डिप्थीरिया वैक्सीन को लॉन्च किया। उन्होंने टीडी वैक्सीन के 15 लाख डोज को बाजार में उतारने के लिए हरी झंडी दिखाई। इसके बाद वैक्सीन की सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। इसके अलावा सीआरआई कसौली कर्मचारी यूनियन के नेताओं ने अपनी मांगों को भी स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष रखा। कार्यक्रम में शिमला के सांसद सुरेश कश्यप व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. राजीव सैजल समेत कई गण्यमान्य नेता मौजूद रहे। इस दौरान नड्डा ने सीआरआई के वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वैक्सीन देश में गेम चेंजर साबित होगी। पहले दोनों वैक्सीन अलग-अलग लगाई जाती थीं, लेकिन अब एक ही वैक्सीन दोनों गंभीर बीमारियों पर असरदार होगी। टीडी वैक्सीन इन दोनों रोगों से सुरक्षा प्रदान करती है और रोग से होने वाली मृत्यु और जटिलताओं को कम करने में मदद करेगी। संस्थान ने टीडी वैक्सीन के निर्माण और परीक्षण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की है। वैक्सीन अब यूआईपी के तहत उपलब्ध होगी।

### राष्ट्रीय स्वास्थ्य की दृष्टि से यह एक बड़ा कदम

इस अवसर पर जेपी नड्डा ने कहा कि यह हर्ष व गर्व का विषय है कि एक स्वदेशी वैक्सीन आज लॉन्च हुई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य की दृष्टि से यह एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम है। भारत ने दवाओं व वैक्सीन बनाने के मामले में विश्व में अपने आप को स्थापित किया है। नड्डा ने कहा कि सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम में 2026 में सीआरआई कसौली का टेटनस व डिप्थीरिया के 55 लाख डोज का योगदान होगा।

# पश्चिम बंगाल में नागरिकता आवेदनों के लिए विशेष समिति गठित, गृह मंत्रालय का फैसला

**नई दिल्ली/ए.।** केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले नागरिकता से जुड़े आवेदनों की जांच और मंजूरी के लिए एक विशेष समिति बना दी है। गृह मंत्रालय ने 20 फरवरी 2026 को आदेश जारी कर बताया कि यह समिति नागरिकता अधिनियम 1955 और उसके नियमों के तहत बनाई गई है। यह समिति मुख्य रूप से उन लोगों के आवेदन देखेगी जो संशोधित कानून के तहत भारतीय नागरिकता लेना चाहते हैं। समिति की अध्यक्षता पश्चिम बंगाल के जनगणना संचालन निदेशालय के डिप्टी रजिस्ट्रार जनरल करेंगे। इसके अलावा इसमें खुफिया ब्यूरो, विदेशी पंजीकरण कार्यालय , राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र , डाक विभाग और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। सरकार ने बताया कि यह समिति आवेदन की जांच, दस्तावेजों की पुष्टि और नागरिकता देने की सिफारिश जैसे काम करेगी। यह व्यवस्था नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 के तहत बनाई गई प्रक्रिया का हिस्सा है। सीएए के अनुसार पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता पाने का रास्ता दिया गया है।

# भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कांग्रेस का वार

**नई दिल्ली/ए.।** अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को रद्द कर दिया। अदालत ने साफ कहा कि इतने बड़े स्तर पर टैरिफ लगाने का अधिकार सीधे राष्ट्रपति को नहीं है। इस फैसले के बाद भारत की राजनीति में भी प्रतिक्रिया सामने आई। कांग्रेस ने इसे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। कांग्रेस का आरोप है कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ अंतरिम व्यापार समझौता दरअसल देश के लिए ओरडील यानी परेशानी साबित हो रहा है। पार्टी का कहना है कि यह समझौता मजबूरी और जल्दबाजी में किया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि भारत सरकार थोड़ा इंतजार करती और सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने देती, तो शायद भारत को एकतरफा शर्तों वाले समझौते का सामना नहीं करना पड़ता। कांग्रेस का तर्क है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी छवि बचाने और राजनीतिक दबाव से निकलने के लिए जल्दबाजी में यह समझौता किया। पार्टी का दावा है कि इससे भारतीय किसानों और देश के आर्थिक हितों को नुकसान हो सकता है। कुल मिलाकर कांग्रेस इस व्यापार समझौते को संतुलित नहीं, बल्कि दबाव में किया गया फैसला बता रही है। उन्होंने अमेरिकी न्याय व्यवस्था की सराहना भी की। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि दो फरवरी 2026 की रात अमेरिका द्वारा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा अचानक कर दी गई।

# एआई समिट बवाल के खिलाफ सड़क पर उतरी भाजपा, 5 दिन की रिमांड में आरोपी

**नई दिल्ली/ए.।** इंडियन यूथ कांग्रेस के एआई समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने मोर्चा खोल दिया। भाजपा आज सड़क पर उतर आई। दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता विरोध कर रहे हैं। इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में शुक्रवार यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट लाया गया। दिल्ली पुलिस ने सभी आरोपियों की पांच दिन की कस्टडी मांगी। जबकि बचाव पक्ष ने इसका कड़ा विरोध करते हुए जमानत याचिका दाखिल की। कोर्ट ने इस मामले में पुलिस को आरोपियों की पांच दिन की कस्टडी दे दी है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कृष्ण हरि, कुंदन यादव, अजय कुमार और नरसिम्हा यादव के तौर पर हुई है। दिल्ली पुलिस ने आरोपियों की पांच दिन की कस्टडी मांगी थी। पुलिस ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नेताओं और जानी-मानी हस्तियों की मौजूदगी में देश विरोधी नारे लगाए गए। भागे हुए दूसरे आरोपियों को पकड़ने के लिए उनकी कस्टडी जरूरी है। पुलिस ने कहा कि तीन पुलिसवाले घायल हुए हैं और उनके (आरोपियों) मोबाइल फोन रिकवर करने हैं ताकि यह वेरिफाई किया जा सके कि उन्हें फंडिंग मिली थी या नहीं। वहीं, कोर्ट ने जांच अधिकारी से पूछा कि पांच दिन की कस्टडी क्यों चाहिए। जांच अधिकारी ने कहा कि गहरी साजिश है, दूसरे आरोपी मौके से भाग गए, और सही जांच के लिए कस्टडी चाहिए। आरोपियों के वकील ने कहा कि प्रदर्शनकारी एक राजनीतिक पार्टी से जुड़े हैं। उन्होंने भारत मंडपम में प्रोटेस्ट किया। इसके लिए उन्होंने कोई कानून नहीं तोड़ा बल्कि प्रोटेस्ट करने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया।

### विवादों में घिरी कांग्रेस

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में प्रदर्शन के बाद अब कांग्रेस विवादों में घिर गई है. इस प्रदर्शन से कार्यक्रम स्थल पर कुछ समय के लिए हलचल का माहौल बन गया. प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट खोलकर नारेबाजी की और ‘पीएम इज कंप्रोमाइज’ के नारे लगाए. जिस वक्त समिट में यह विरोध प्रदर्शन किया गया, उस समय वहां पर देश-विदेश के कई दिग्गज और प्रतिनिधि मौजूद थे।

# जीस्केलर और भारती एयरटेल ने ‘एआई एंड साइबर थ्रेट रिसर्च सेंटर’ शुरू करने की घोषणा की

**नई दिल्ली।** क्लाउड सुरक्षा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी ज़ीस्केलर इंक. ने भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों में से एक भारती एयरटेल (एयरटेल) के साथ मिलकर आज ‘AI एंड साइबर थ्रेट रिसर्च सेंटर - इंडिया’ के शुरुआत की घोषणा की है। यह एक साझा डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य भारत की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा क्षमता को मजबूत करना है। यह दूरसंचार, बैंकिंग और ऊर्जा जैसे देश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों, उद्योगों और प्रमुख डिजिटल संपत्तियों की रक्षा करने पर केंद्रित है। साथ ही, यह डिजिटल उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित रखने और भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल वातावरण में भरोसेमंद AI के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए भी समर्पित है।

भारत लंबे समय से ज़ीस्केलर के लिए तकनीकी नवाचार और साइबर शोध का प्रमुख केंद्र रहा है। कंपनी की प्रतिभाशाली शोध टीम का बड़ा हिस्सा भारत में ही कार्यरत है। यह नया रिसर्च सेंटर ज़ीस्केलर की मौजूदा गतिविधियों का विस्तार होगा और निजी क्षेत्र, सरकारी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों तथा सरकार के बीच सहयोग के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में काम करेगा। यह केंद्र भारत में, भारत के लिए (इन इंडिया, फॉर इंडिया) की सोच के साथ तैयार किया गया है, जिसका लक्ष्य राष्ट्र की साइबर रक्षा को मजबूत करना और विकसित भारत तथा एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित और डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में भारत की प्रगति का समर्थन करने के लिए भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं की मजबूत श्रृंखला तैयार करना है। भारत इस समय बड़े स्तर पर डिजिटल बदलाव के दौर से गुजर रहा है। यहां डिजिटल प्रणालियां केवल कंपनियों के स्तर पर नहीं बल्कि पूरी आबादी के स्तर पर महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकसित की जा रही हैं, जिससे साइबर हमलों का दायरा भी तेजी से बढ़ रहा है। इसी दौरान साइबर खतरे भी मशीन की गति से बदल रहे हैं। कई देशों द्वारा समर्थित और आर्थिक लाभ के उद्देश्य से काम करने वाले हमलावर अब AI का उपयोग कर मिनटों में ही सिस्टम की कमियों की पहचान कर उसका दुरुपयोग कर रहे हैं।

# ऑस्ट्रेलिया लीग में भारत की खराब शुरुआत, स्पेन ने 2-0 से हराया

**नई दिल्ली।** एफआईएच मेन्स प्रो लीग में भारत का खराब प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम शनिवार (21 फरवरी) को स्पेन से 0-2 से हार गई। स्पेन के लिए इग्नासियो अबाजो और इग्नासियो कोबोस ने गोल किए। स्पेन ने अनुशासित डिफेंस से मैच का शानदार अंत किया। स्पेन की टीम ने मौकों का फायदा उठाया। भारत ने लगातार अटैक किया, लेकिन मौकों को भुना नहीं पाया। राउरकेला लेग में बेल्जियम और अर्जेंटीना से दो-दो हार झेलने वाली भारतीय टीम विदेशी लेग में नए कप्तान हार्दिक सिंह की अगुआई में वापसी की उम्मीद कर रही थी। सीरीज का होबार्ट लेग में मेजबान ऑस्ट्रेलिया से भी मुकाबला है। 25 फरवरी तक यह लेग चलेगा। भारत ने मैच की शुरुआत तेज पासिंग से की और शुरू में ही गेंद पर कब्जा जमाए रखने की कोशिश की, लेकिन स्पेन का काउंटर-अटैकिंग की रणनीति अपनाई। अबाजो ने इस रणनीति का फायदा उठाया और गोल किया। इस झटके से बेपरवाह भारत ने आक्रामक रुख अपनाए रखा। उसने स्पेन के डिफेंस को भेदा। भारतीय टीम ने कई बार मौके बनाए और क्वार्टर के आखिर में अभिषेक ने एक जोरदार शॉट मारा, लेकिन स्पेनिश गोलकीपर लुइस कैलजाडो ने गोल बचा लिया।

# ‘धुरंधर-2’ और ‘टॉक्सिक’ की बॉक्स ऑफिस टक्कर पर संजय गुप्ता ने कही यह बात

**मुंबई।** अगले महीने बॉक्स ऑफिस पर साल 2026 का सबसे बड़ा क्लैश देखने को मिलेगा। क्योंकि 19 मार्च को साल की दो सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्में ‘धुरंधरः द रिवेंज’ और ‘टॉक्सिक’ साथ में रिलीज हो रही हैं। दोनों ही फिल्मों को लेकर काफी बज बना हुआ है। दोनों ही फिल्मों का टीजर रिलीज हो चुका है। यही कारण है कि हर सिनेप्रेमी 19 मार्च का इंतजार कर रहा है। हालांकि, एक साथ रिलीज होने से इंडस्ट्री में चिंता भी पैदा हो गई है। फिल्म मेकर राजकुमार गुप्ता का कहना है कि इन दो बड़ी फिल्मों के एकसाथ ही रिलीज होने से दोनों के कारोबार पर बड़ा असर देखने को मिल सकता है। वैरायटी इंडिया से बात करते हुए निर्माता-निर्देशक ने कहा कि मैं दोनों फिल्में देखूंगा, लेकिन दुर्भाग्य से दोनों एक साथ रिलीज हो रही हैं। इससे दोनों फिल्मों के कारोबार पर असर पड़ेगा। अपने पिछले अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि यह वैसा ही है जैसे 2017 में मेरी फिल्म ‘काबिल’ और शाहरुख खान की ‘रईस’ एक ही दिन रिलीज हुई थीं। अगर दोनों फिल्में अलग-अलग रिलीज होतीं और एक साथ न दिखाई जातीं, तो दोनों को फायदा होता। क्योंकि हमें यह ध्यान रखना होगा कि हम कोई बहुत अमीर देश नहीं हैं।

# एक करोड़ 45 लाख की लागत से संवरेगा मालीखेड़ी विसर्जन घाट

### राज्यमंत्री गौर ने किया करीब 2 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन

**भोपाल/नवप्रदेश।** पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने शनिवार को गोविंदपुरा में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। उन्होंने बताया कि लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण निर्माण कार्य कराए जाएंगे, जिनमें मालीखेड़ी विसर्जन घाट का उन्नयन प्रमुख है।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि मालीखेड़ी विसर्जन घाट को 1 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से आधुनिक एवं सुविधायुक्त बनाया जाएगा। घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पक्का प्लेटफॉर्म, सुरक्षा रेलिंग, समुचित प्रकाश व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था तथा स्वच्छता संबंधी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि गोविंदपुरा क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है। क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था और सामुदायिक सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गोविन्दपुरा में वार्ड 72 के मालीखेड़ी में सीसी रोड एवं आरसीसी नाली निर्माण कार्य तथा मेन रोड स्थित दुर्गा मंदिर के चबूतरे के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया गया, जिसकी लागत 7 लाख 18 हजार रुपये है। वार्ड 72 की लीलाधर कॉलोनी में आरसीसी नाली निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया गया, जिसकी लागत 2 लाख 86 हजार रुपये है। वार्ड 72 के गीता नगर में शंकर जी मंदिर के पास रिटेनिंग वॉल निर्माण, गीता नगर पार्श्व धाम स्थित कम्युनिटी हॉल में शेड निर्माण तथा बिहारी कॉलोनी में रोड एवं आंगनवाड़ी के पास आरसीसी नाली निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन किया गया, जिनकी कुल लागत 15 लाख रुपये है। वार्ड 72 के अटल नेहरू नगर में बालाजी मंदिर से आंगनवाड़ी तक, श्री महावीर हनुमान मंदिर के पास सड़क निर्माण तथा अप्रोच रोड से मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक तक सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया गया, जिसकी लागत 13 लाख रुपये है।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं, जिससे नागरिकों को शीघ्र लाभ मिल सके।

## न्यूज गैलरी

### हर नवजात की मौत का होगा ऑडिट

# गर्भावस्था से प्रसव तक की पूरी जटिलताओं की फाइल तैयार करने के निर्देश जारी

**भोपाल/नवप्रदेश।** नवजात शिशुओं की मौत को लेकर अब स्वास्थ्य विभाग और सख्त हो गया है। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर ने साफ निर्देश दिए कि एसएनसीयू में होने वाली हर नवजात मृत्यु का विस्तृत ऑडिट किया जाए। सिर्फ अस्पताल में हुई घटना ही नहीं, बल्कि गर्भावस्था से लेकर प्रसव तक की सभी जटिलताओं को फाइल में शामिल करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही ऑपरेशन थिएटर और लेबर रूम में संक्रमण नियंत्रण व्यवस्था को और मजबूत करने तथा एआई आधारित तकनीक अपनाने पर भी जोर दिया गया है। बैठक में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई।

**कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा बैठक**

20 फरवरी को कलेक्टर कार्यालय में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी सुनील सोलंकी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि नवजात मृत्यु दर कम करना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए हर स्तर पर गंभीरता से काम करना होगा।

**एसएनसीयू में हर मौत की होगी गहराई से जांच**

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विशेष नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में होने वाली हर शिशु मृत्यु का डेथ ऑडिट किया जाए। ऑडिट में यह देखा जाए कि मृत्यु के पीछे वास्तविक कारण क्या थे और क्या उन्हें पहले पहचाना जा सकता था। उन्होंने कहा कि डेथ ऑडिट में गर्भावस्था के दौरान आई दिक्कतें, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी, समय पर जांच और प्रसव के दौरान आई जटिलताओं को भी शामिल किया जाए। इससे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकेगा।

**ऑपरेशन थिएटर में एआई आधारित इन्फेक्शन कंट्रोल पर जोर**

बैठक में अस्पतालों के ऑपरेशन थिएटर और लेबर रूम में संक्रमण नियंत्रण की चेकलिस्ट का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि संक्रमण रोकने के लिए एआई आधारित तकनीक को शामिल करने पर विचार किया जाए, जिससे मानवीय त्रुटियों की संभावना कम हो। उन्होंने कहा कि संक्रमण नियंत्रण बेहतर होगा तो प्रसव और ऑपरेशन के दौरान होने वाली जटिलताओं में कमी आएगी।

**टीकाकरण, एएनसी पंजीयन और हाई रिस्क गर्भवती पर फोकस**

कलेक्टर ने टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लाभार्थियों से फीडबैक लेने के निर्देश दिए। साथ ही एएनसी पंजीयन बढ़ाने, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान करने और जरूरत पड़ने पर तुरंत रेफरल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सुरक्षित प्रसव सेवाओं को मजबूत करने पर भी जोर दिया।

**बुजुर्गों के लिए होप कार्यक्रम की समीक्षा**

बैठक में जानकारी दी गई कि होप कार्यक्रम के तहत 902 वृद्धजन चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 560 को नर्सिंग अधिकारियों द्वारा घर जाकर स्वास्थ्य सेवाएं दी जा चुकी हैं। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बुजुर्गों को 7वें, 14वें और 21वें दिन स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा घर पर सेवाएं दी जाती हैं।

**पोषण सेवाओं में संयुक्त कार्य की जरूरत**

जिला पोषण समिति की बैठक में गर्भवती महिलाओं और बच्चों के पोषण कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग को मिलकर काम करने के निर्देश दिए, ताकि मातृ और शिशु स्वास्थ्य में समग्र सुधार हो सके।

# भोपाल में भेल जंगल में युवक का शव मिला

**भोपाल/नवप्रदेश।** भोपाल के भेल स्पोर्ट्स क्लब के करीब जंगल में शनिवार की दोपहर को युवक का शव मिला है। उसका सिर कुचला हुआ है। पुलिस का अनुमान है कि हत्या के बाद लाश को ठिकाने लगाने की नीयत से बॉडी को फेंका गया है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। टीआई अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि अज्ञात युवक उम्र करीब 30 से 35 साल को हत्या के बाद फेंके जाने की आशंका है। मृतक का रंग सांवला है। नीले सफेद चेक रंग की शर्ट पहन रखी है। उसकी जैकेट गुच्ची लिखा है। नीचे नेवी ब्लू कलर का पेंट पहन रखा है। आरोपियों की पहचान के लिए

### चौधरी बोले-नियुक्ति खरगे जी ने की वे ही निर्णय लेंगे

# इस्तीफे पर हेमंत कटारे का ट्वीट: मैं पद से नहीं, जनता के विश्वास से ताकत लेता हूं

**भोपाल/नवप्रदेश।** भिंड जिले की अटेर सीट से कांग्रेस विधायक और मध्य प्रदेश विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे के इस्तीफे को लेकर सियासत तेज हो गई है। इस्तीफे की चर्चाओं के बीच कटारे ने सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट कर अपनी स्थिति स्पष्ट की और कहा कि उनकी ताकत किसी पद से नहीं, बल्कि जनता के विश्वास से आती है। बता दें कि एक दिन पहले ही कटारे ने उप नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा दिया है।

**हेमंत कटारे का फेसबुक पोस्ट**

कटारे ने लिखा कि कांग्रेस उनके स्वर्गीय पिता की विरासत है। फोन न उठाने को लेकर लग रहे कयासों पर उन्होंने कहा कि शादी की सालगिरह पर परिवार के साथ समय बिताना कोई साजिश नहीं, बल्कि उनका अधिकार है।

उन्होंने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए लिखा कि सोमवार से सदन में पूरी तैयारी और दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहेंगे तथा सरकार के भ्रष्टाचार और विभिन्न मुद्दों पर आवाज उठाएंगे।

पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि गोमांस, इंदौर के भागीरथपुरा, शंकराचार्य के अपमान और जहरीली हवा-दवा-पानी जैसे मुद्दों पर वे सरकार को घेरेंगे। अंत में लिखा- मैं पद से नहीं, जनता के विश्वास से ताकत लेता हूं, वही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है।

**जीतू पटवारी बोले- ट्वीट में सब स्पष्ट**

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से जब इस्तीफे को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि कटारे ने अपने ट्वीट में सारी बातें साफ कर दी हैं। पटवारी के मुताबिक लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता के विश्वास से ही काम करता है और कटारे ने जो कहना था, सार्वजनिक रूप से कह दिया है।

**हरीश चौधरी बोले- नियुक्ति AICC की, फैसला भी वहीं होगा**

उप नेता प्रतिपक्ष पद से हेमंत कटारे के इस्तीफे के बाद कांग्रेस में जारी चर्चाओं के बीच प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने इसे पार्टी का आंतरिक मामला बताया है। भास्कर से बातचीत में चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के हर कार्यकर्ता से उनका संवाद होता है और हेमंत कटारे वरिष्ठ नेता हैं, उनसे पहले भी बात होती रही है और आगे भी होती रहेगी।

**नियुक्ति राष्ट्रीय स्तर से, फैसला भी वहीं**

चौधरी ने स्पष्ट किया कि कटारे की नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) ने की थी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें पद दिया था, इसलिए इस्तीफा स्वीकार करने का अधिकार भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को ही है। उन्होंने बताया कि वे दिल्ली में हुई बैठक में शामिल थे और इस मुद्दे पर पार्टी के भीतर प्रक्रिया चल रही है।

**आंतरिक प्रक्रिया सार्वजनिक करना संभव नहीं**

मीडिया के सवालों पर चौधरी ने कहा कि क्या हर आंतरिक प्रक्रिया को सार्वजनिक किया जाए? उन्होंने कहा कि कटारे ने इस्तीफा किन परिस्थितियों में दिया, इसकी जानकारी उन्होंने पार्टी नेतृत्व को दे दी है और जो संदेह थे, उनका जवाब भी उन्होंने ट्वीट के माध्यम से सार्वजनिक कर दिया है।

चौधरी ने जोर देकर कहा कि पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र की अपनी मर्यादा होती है और हर चरण को सार्वजनिक करना उचित नहीं है।

**संवाद जारी रहने की बात**

प्रदेश प्रभारी ने दोहराया कि कांग्रेस में संवाद की परंपरा है और हर कार्यकर्ता से लगातार बातचीत होती है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में भी संवाद जारी है और अंतिम निर्णय राष्ट्रीय नेतृत्व ही करेगा।

# सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध हों तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

### सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रीवा में डीएम कार्डियोलॉजी के लिए चार सीटों की हुई स्वीकृति

**भोपाल/नवप्रदेश।** उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रीवा से मरीजों को अन्यत्र रेफर न किए जाने के प्रयास हों, तृतीयक स्तर की उन्नत चिकित्सा सेवाएं यही उपलब्ध हों। यह प्रयास हो कि बाहर के मरीज भी यहाँ इलाज के लिए आएं। रीवा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में डीएम कॉर्डियोलॉजी के लिए चार सीटों की स्वीकृति हो गई है। अब यहाँ डीएम की भी पढ़ाई होगी। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चिकित्सा सेवाओं एवं व्यवस्थाओं की वृहद समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह अस्पताल विन्ध्य क्षेत्र के लिए वरदान साबित हुआ है। यहाँ के चिकित्सकों व चिकित्सकीय स्टाफ द्वारा पूरी लगन व मेहनत से मरीजों का इलाज किया जा रहा है। प्रदेश भर में इस अस्पताल द्वारा किए गए चिकित्सा इलाज की चर्चा है। यह अस्पताल प्रदेश के अन्य सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों की तुलना में सबसे ज्यादा मरीजों को इलाज की सुविधा देने वाला अस्पताल बना है। अब इस अस्पताल में डीएम कॉर्डियोलॉजी के पद स्वीकृत हुए हैं। शीघ्र ही यहाँ अन्य विभागों में एमसीएच की सीटें भी स्वीकृत होंगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अस्पताल की व्यवस्थाओं तथा कार्यरत चिकित्सकों की पदोन्नति व उनको मिलने वाले इंसेन्टिव के विषय में भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि नियत समयावधि पूर्ण करने पर चिकित्सकों को अगले पद पर तत्काल पदोन्नति दें। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों व स्टाफ से अपेक्षा की कि इसी तरह मनोयोग से मरीजों का इलाज करते रहें। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में वर्ष 2020 में 155, वर्ष 2021 में 1749, वर्ष 2022 में 2501, वर्ष 2023 में 2846, वर्ष 2024 में 2254 एवं वर्ष 2025 में 2327 एंजियोग्राफी की गईं। जबकि वर्ष 2020 में 80, वर्ष 2021 में 832, वर्ष 2022 में 1595, वर्ष 2023 में 1685, वर्ष 2024 में

# किसानों के परिश्रम के सम्मान के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध : कृषि मंत्री कंषाना

**भोपाल/नवप्रदेश।** किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि किसानों के परिश्रम के सम्मान के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए प्रदेशभर में किसानों का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिल रहा है। अब तक 1 लाख 81 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन कराकर सरकार की किसान-हितैषी नीतियों पर विश्वास जताया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट किसानों की समृद्धि, उत्पादन क्षमता में वृद्धि और ग्रामीण विकास को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। यह बजट 'समृद्ध किसान ङ्क विकसित मध्यप्रदेश' के संकल्प को साकार करेगा।

राज्य सरकार द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूरे प्रदेश में 3186 पंजीयन केन्द्र स्थापित किये गये है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को भी सहज और सुगम पंजीयन सुविधा उपलब्ध हुई है। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के परिश्रम का सम्मान करने और उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की जा रही है।

कृषि मंत्री श्री कंषाना ने किसानों से अपील की है कि वे 7 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से अपना पंजीयन सुनिश्चित कर लें, जिससे उन्हें समर्थन मूल्य का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि पंजीयन प्रक्रिया को सरल, सुगम और समयबद्ध बनाया जाए। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक पात्र किसान को उसकी उपज का न्यायसंगत मूल्य प्राप्त हो और प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

**कृषक वर्ष किसान कल्याण के लिए समर्पित**

कृषि मंत्री श्री कंषाना ने मुरैना में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि आधारित उद्योगों के लिए ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी बजट है। उन्होंने कहा कि यह बजट ÷ज्ञानी÷ सिद्धांत पर आधारित है। इसमें गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के साथ अधोसंरचना एवं औद्योगिकीकरण को केंद्र में रखा गया है।

# भोपाल में नर्सिंग की छात्रा ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

### प्रेमी की दूसरी जगह शादी तय होने की बात से दुखी थी

**भोपाल/नवप्रदेश।** भोपाल के अयोध्या नगर की विंध्याचल कॉलोनी में रहने वाली नर्सिंग की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। जीजा के भाई से उसका प्रेम संबंध था। हालांकि प्रेमी की पिछले दिनों दूसरी ल?की से शादी तय हो गई। इससे दुखी होकर उसने सुसाइड किया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना शुक्रवार रात की है। जबकि शनिवार दोपहर को पीएम के बाद बॉडी परिजनों के हवाले कर दी गई। पुलिस के मुताबिक उमा लोधी पुत्री नर्मदा प्रसाद (24) विंध्याचल कॉलोनी अयोध्या नगर में किराए से रहती थी। वह मूल रूप से बरखेड़ा हसन जिला सीहोर की रहने वाली थी। उमा चार बहन और 6 भाईयों में आठवें नंबर की थी। उसके रिश्तेदार नरेंद्र ने बताया कि उमा का अपने ही जीजा के भाई से करीबी रिश्ता था। दोनों शादी करना चाहते थे। हालांकि बाद में युवक के परिजनों ने कहीं और उसकी शादी तय कर दी। उमा ने भी इसका विरोध नहीं किया था। अब युवक ने उमा को कॉल कर पूछा कि मैं शादी करने वाला हूं तुम्हे कोई परेशानी तो नहीं है। गुरुवार को आए इस कॉल के बाद

# मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

## मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अंतर्गत प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची की दी जानकारी

**भोपाल/नवप्रदेश।** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री संजीव कुमार झा ने शनिवार को निर्वाचन सदन, भोपाल में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के अंतर्गत प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने बताया कि शनिवार को पूरे प्रदेश में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 39 लाख 81 हजार 65 है। इनमें पुरुष मतदाता 2 करोड़ 79 लाख 4 हजार 975, महिला मतदाता 2 करोड़ 60 लाख 75 हजार 186 तथा थर्ड जेंडर मतदाता 904 हैं।

बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अंतिम मतदाता सूची की सॉफ्ट कॉपी सौंपी गई। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। जिन नागरिकों के नाम मतदाता सूची में छूट गए हैं अथवा किसी प्रकार का संशोधन है, वे ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। साथ ही जिन युवाओं ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है, वे भी अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। श्री झा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट पर भी देखी जा सकती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 402 , कौशल्या विहार , नेपियर टाउन , 482001 से प्रकाशित, मो. 6262188999 ( न्याय क्षेत्र जबलपुर ) ।